त्रिपुरी टाइम्स

11th ANNIVERSARY

www.tripuritimes.com

वर्ष 11 अंक 24 | जबलपुर, गुरुवार 19 फरवरी 2026 | पृष्ठ संख्या : 8 | मूल्य : 2 रुपए

BUDGUT : विकसित मध्य प्रदेश का रोड मैप, कोई नया टैक्स नहीं

गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी शक्ति, इंफ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्री को डोज, विपक्ष ने कहा झूठ का पुलिंदा

भोपाल, एजेंसी। बुधवार को मध्य प्रदेश विधानसभा में वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने एमपी वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पेश कर दिया है। सरकार की तरफ से बजट में कई बड़ी घोषणाएं की गई है। वित्त मंत्री ने कहा कि यह राज्य का प्रभावी बजट है, जिसमें सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है। सरकार ने बजट में लाड़ली बहना योजना के लिए राशि का प्रावधान किया है। वहीं 1 लाख किसानों को सोलर पंप देने की घोषणा की है। वहीं प्रदेश में किसी तरह का कोई नया टैक्स नहीं लगाने का ऐलान भी किया गया है। इसके अलावा स्वास्थ्य क्षेत्र में भी सरकार ने बजट में कई बड़ी बातें कही हैं। बीजेपी नेता जहां बजट को ऐतिहासिक बता रहे हैं, तो वहीं विपक्ष के नेता इसे जनता के साथ विश्वासघात करार दे रहे हैं। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ह्यमध्य प्रदेश सरकार का आज का बजट जनता से विश्वासघात वाला बजट है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने आज जो बजट पेश किया है, उसमें सिर्फ बातों के बताशे बनाए गए हैं और जनहित का मुद्दा पूरी तरह सफाचट है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'GYAN' संकल्प में प्रदेश सरकार ने 'I' (इंफ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्री) जोड़ते हुए 'GYANII' मॉडल पर बजट तैयार किया है- गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी शक्ति, इंफ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्री इसके मार्गदर्शक सिद्धांत हैं। उन्होंने कहा कि यह बजट विकसित भारत 2047 के विजन के अनुरूप है और केंद्र सरकार के सहयोग से प्रदेश नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। साथ ही लाड़ली बहनों के लिए पर्याप्त प्रावधान कर महिला सशक्तीकरण को भी मजबूती दी गई है।

बजट एक नजर में...

कोई नया टैक्स नहीं : मध्य प्रदेश बजट 2026-27 में राज्य के लोगों पर किसी तरह का कोई नया टैक्स नहीं लगाया गया है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि राज्य में अभी पुराना टैक्स सिस्टम ही लागू रहेगा, राज्य के लोगों पर किसी तरह का कोई नया टैक्स नहीं लगाया जा रहा है।

किसानों को हर साल 12000 रुपए : बजट में किसानों के लिए सरकार ने बड़ा ऐलान किया है। मध्य प्रदेश में 3000 करोड़ रुपए की लागत से प्रदेश के 1 लाख किसानों को सोलर पंप दिए जाएंगे। इस योजना का लाभ प्रदेश के सभी जिलों के किसानों को मिलेगा। इसके अलावा सरकार ने किसान सम्मान निधि और मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत राज्य के किसानों को हर साल 12000 रुपए देने का फैसला भी किया है।

लाड़ली बहना को 23 हजार 882 करोड़ रुपए : बजट में मध्य प्रदेश की सबसे चर्चित लाड़ली बहना योजना के लिए भी सरकार ने बजट का ऐलान किया गया है, जिसके तहत प्रदेश में 23 हजार 882 करोड़ रुपए का प्रावधान बजट में योजना के लिए हुआ। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बताया कि मध्य प्रदेश में 1 करोड़ 25 लाख महिलाओं को लाड़ली बहना योजना का लाभ दिया जा रहा है।

सिंहस्थ के लिए 3060 करोड़ रुपए : उज्जैन में 2028 में होने वाले सिंहस्थ महाकुंभ के लिए भी बजट में पैसे का प्रबंध किया गया है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बताया कि सिंहस्थ-2028 महाकुंभ के लिए 3060 करोड़ रुपए का प्रावधान रहेगा, जिसके तहत सिंहस्थ में आने वाले कामों को पूरा किया जाएगा.

पुलिस विभाग में हजारों भर्ती: मध्य प्रदेश में पुलिस विभागों में भर्ती को लेकर भी बजट में बड़ा ऐलान हुआ है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बताया कि राज्य में पुलिस विभाग में 22 हजार 500 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिसमें अलग-अलग पदों पर भर्ती की जा रही है। इसके अलावा मध्य प्रदेश में पुलिस विभाग के लिए 11000 नए आवास भी बजट में स्वीकृत किए गए हैं।

श्रम विभाग में 1 हजार 335 करोड़ रुपए : बजट में श्रम विभाग के लिए बड़ा ऐलान किया गया है, जहां इस विभाग को 1 हजार 335 करोड़ रुपए का बजट दिया गया है, वित्त मंत्री ने बताया कि इस राशि का उपयोग श्रमिक कल्याण योजनाओं और रोजगार से जुड़ी सुविधाओं और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने में किया जाएगा, जिसका लाभ असंगठित और संगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को मिलेगा।

जी रामजी और पीएम आवास योजना : मध्य प्रदेश के बजट में पीएम आवास योजना के लिए भी बड़ा ऐलान किया गया है। मध्य प्रदेश में 6 हजार 850 करोड़ रुपए दिए गए हैं, जहां इस पैसे से शहरी और ग्रामीण इलाकों में पीएम आवास योजना के तहत मकानों का निर्माण किया जाएगा। वहीं जी रामजी योजना के लिए 10428 करोड़ का प्रावधान होगा और पीएम जनमन योजना के लिए 900 करोड़ की राशि दी जाएगी।

12,690 करोड़ से होगी सड़कों की मरम्मत : वहीं मध्य प्रदेश में सड़कों की मरम्मत के लिए भी राज्य सरकार की तरफ से बजट में बड़ी राशि की व्यवस्था की गई है, सड़क रिपेयर के लिए 12,690 करोड़ का प्रोविजन बजट में रहेगा। इस पैसे से अलग-अलग जिलों की सड़कों को विकसित किया जाएगा।

मजरा-टोला सड़क योजना : मध्य प्रदेश बजट में मुख्यमंत्री मजरा-टोला सड़क योजना का ऐलान किया गया है. वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा बताया कि इस योजना के तहत 21,630 करोड़ रुपए की राशि से जनजातीय ग्रामीण इलाकों का विकास किया जाएगा। इसके अलावा गांवों के विकास के लिए केंद्रीय मुख्यमंत्री वृंदावन योजना शुरू हो चुकी है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में 23747 करोड़ : मध्य प्रदेश बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए भी बड़ा ऐलान हुआ है, जहां 23747 करोड़ रुपए की राशि की व्यवस्था स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए हुई है। इस राशि से अलग-अलग जिलों में स्वास्थ्य विभाग से जुड़े क्षेत्रों में काम किए जाएंगे।

झूठे आंकड़ों और खोखले दावों वाला बजट : उमंग सिंघार

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह झूठे आंकड़ों और खोखले वादों का बजट है। यह बजट प्रदेश की जनता के साथ छलावा है और जमीनी हकीकत से पूरी तरह कटा हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया गया था, लेकिन बजट में इस पर कोई स्पष्ट नीति, योजना या समय सीमा नहीं है। प्रदेश के लाखों बेरोजगार युवाओं को उम्मीद थी कि भर्ती, नई नौकरियों और रोजगार सृजन पर ठोस प्रावधान होंगे, लेकिन बजट में इस पर कोई ठोस घोषणा नहीं की गई। संविदा भर्ती की बात कही गई है। इससे नौकरी पाने वाले पर हमेशा तलवार लटकी रहेगी। उमंग सिंघार ने राज्य के कर्मचारियों और प्रस्तावित वृक्षारोपण को लेकर कहा कि प्रदेश के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी को लेकर बजट में कोई प्रावधान नहीं है। यह कर्मचारियों के साथ अन्याय है।

जनता से विश्वासघात करने वाली सरकार : पूर्व सीएम कमलनाथ

प्रदेश के बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि नवंबर 2023 में हुए विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश की जनता और मतदाताओं से जो प्रमुख वादे किए थे, वह सारे वादे ढाई साल बाद भी वित्त मंत्री के बजट भाषण से गायब दिखाई दिए। प्रदेश के किसानों, नारी शक्ति, नौजवानों और सभी वर्गों से किए गए चुनावी वादों को बजट में कोई स्थान नहीं दिया गया। यह सरकार जनविरोधी है, जनता से विश्वासघात करने वाली है और वादा-खिलाफी इसका स्वभाव है. इस बजट से मध्य प्रदेश की जनता को भारी निराशा हुई है।

GYANII मॉडल पर आधारित बजट

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'GYAN' संकल्प में प्रदेश सरकार ने 'I' (इंफ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्री) जोड़ते हुए 'GYANII' मॉडल पर बजट तैयार किया है- गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी शक्ति, इंफ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्री इसके मार्गदर्शक सिद्धांत हैं। उन्होंने कहा कि यह बजट विकसित भारत 2047 के विजन के अनुरूप है और केंद्र सरकार के सहयोग से प्रदेश नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। साथ ही लाड़ली बहनों के लिए पर्याप्त प्रावधान कर महिला सशक्तीकरण को भी मजबूती दी गई है।

सर्दी का असर अब हो रहा कम, उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में बढ़ा तापमान

मैदानी इलाकों में तापमान बढ़ने के बीच पहाड़ी क्षेत्रों में मौसम का मिजाज अलग बना है

नई दिल्ली,एजेंसी। देश के अधिकांश हिस्सों में सर्दी का असर अब कम होता नजर आ रहा है। न्यूनतम तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है, जिससे आने वाले दिनों में गर्मी के शुरुआती संकेत दिखाई दे सकते हैं। मौसम विज्ञान विभाग ने अनुमान जताया है कि उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के कई क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हो सकती है। बुधवार सुबह दिल्ली और नोएडा के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश दर्ज की गई। यह बारिश आईएमडी द्वारा दिए गए येलो अलर्ट के एक दिन बाद हुई। विभाग के मुताबिक दिल्ली में अधिकतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है, जबकि न्यूनतम तापमान 13 से 15 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के मुताबिक उत्तर-पश्चिम भारत में अगले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान में कीरब 2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है। इसके बाद अगले दो दिनों में तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की जा सकती है। इसके पश्चात मौसम सामान्य रहने की संभावना है और कोई बड़ा परिवर्तन देखने को नहीं मिलेगा। मध्य भारत में भी अगले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। इसके बाद तापमान स्थिर रहने की संभावना है। गुजरात में अगले चार दिनों तक तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं महाराष्ट्र के दक्षिणी हिस्सों में भी अगले दो दिनों में इस तरह की वृद्धि दर्ज होने के बाद मौसम सामान्य रह सकता है। पूर्वी भारत में फिलहाल किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। जहां तक अधिकतम तापमान का सवाल है, उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में अगले दो दिनों के दौरान 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है। इसके बाद अगले पांच दिनों में तापमान में समान बढ़ोतरी होने का अनुमान है। मैदानी इलाकों में तापमान बढ़ने के बीच पहाड़ी क्षेत्रों में मौसम का मिजाज अलग बना हुआ है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना है। उत्तराखंड में भी कुछ स्थानों पर बारिश हो सकती है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी छिटपुट बारिश की संभावना है। इसके अलावा निकोबार द्वीप समूह, हरियाणा, राजस्थान और मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। इन क्षेत्रों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी आशंका है। पंजाब, हरियाणा और पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि की संभावना भी व्यक्त की गई है।

अमेरिकी संसद पर हमले की साजिश नाकाम, 18 साल का युवक गिरफ्तार

वॉशिंगटन,एजेंसी। वॉशिंगटन में मंगलवार को संसद भवन पर हमले की साजिश वक्त रहते नाकाम कर दी गई। अमेरिकी संसद भवन के पास से 18 साल का एक युवक को गिरफ्तार किया गया है, जो लोडेड शॉटगन लेकर यूएस कैपिटल की ओर दौड़ रहा था। वक्त रहते कैपिटल पुलिस के अधिकारियों ने उसे घेर लिया और अपनी गिरफ्त में ले लिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हमलावर यहां पूरी तैयारी के साथ आया था। उसने टैक्टिकल जैकेट और दस्ताने पहने थे। पुलिस ने उसे हथियार नीचे रखने का आदेश दिया, जिस पर उसने शॉटगन जमीन पर रख दी और खुद लेट गया। इसके बाद अधिकारियों ने उसे कैपिटॉल की वेस्ट फ्रंट पर हिरासत में ले लिया। कैपिटॉल पुलिस प्रमुख माइकल सुलिवन ने स्वीकार किया कि अगर यहां अधिकारी मौजूद नहीं होते तो क्या हो सकता था, कोई नहीं जानता। कैपिटॉल पुलिस के मुखिया ने ये भी बताया कि हाल ही में इसी जगह सक्रिय हमलावर से निपटने की मॉक ड्रिल भी की गई थी। उन्होंने जानकारी दी कि हमलावर के पास पूरी तैयारी थी। गिरफ्तारी के समय युवक के पास अतिरिक्त गोलियां भी थीं। पुलिस ने उसकी सफेद मर्सिडीज एसयूवी की तलाशी ली, जो इमारत के पास खड़ी थी। वाहन से एक केव्लर हेलमेट और गैस मास्क भी बरामद किए गए। पुलिस के मुताबिक आरोपी वॉशिंगटन डीसी का रहने वाला नहीं है और पहले से कानून प्रवर्तन एजेंसियों के रिकॉर्ड में भी नहीं था।

भारत से फ्रांस खरीदेगा पिनाका रॉकेट! एम270 लान्स रोक्यूट्स करना चाहता है अपडेट

यह सिस्टम अमेरिकी हिमर्स और रुसी टोर्नाडो-एस को देता है टक्कर, किफायती भी है

नई दिल्ली,एजेंसी। आज भारत हथियारों का खरीददार नहीं बल्कि निर्यातक भी बन गया है। ये निर्यात अब केवल तीसरी दुनिया के देशों तक ही सीमित नहीं है बल्कि अब डेवलप देश भी भारत के हथियारों के मुरीद हो रहे हैं। अब फ्रांस भी भारत के एक साख सिस्टम को खरीदना चाहता है। इसके लिए उसकी एक हाई पावर कमेटी भारत का दौरा कर चुकी है। दरअसल, भारत फ्रांस से 4.5+ पीढ़ी के 114 राफेल विमानों की डील करने वाला है। यह करीब 3.25 लाख करोड़ की डील है। बीते दिनों रक्षा मंत्रालय के रक्षा खरीद परिषद ने इस डील को मंजूरी दे दी। अब सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी इस पर अपनी मुहर लगाएगी। फिर फ्रांस के साथ इस डील के तकनीकी पहलुओं और कीमत को लेकर बातचीत होगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक माना जा रहा है राफेल डील के बदले फ्रांस अपनी आर्मी के लिए भारत से सिस्टम खरीदना चाहता है। एक्सपर्ट कह रहे हैं कि राफेल डील के बाद फ्रांस भी चाहता है कि वह भारत के साथ सैन्य रिश्तों को नई ऊंचाई पर पहुंचाए। इसके लिए वह उस भारतीय हथियार को खरीदना चाहता है, जो हर एक मामले में दुनिया का एक बेहतरीन सिस्टम है। यह सिस्टम पिनाका रॉकेट है। यह दुनिया के किसी भी सिस्टम को कड़ी टक्कर देता है। इस सिस्टम का सीधा मुकाबला अमेरिकी रॉकेट सिस्टम हिमर्स और रूसी टोर्नाडो-एस से है। रिपोर्ट के मुताबिक फ्रांस और भारत के बीच पिनाका रॉकेट सिस्टम के लिए उच्च स्तरीय लेवल पर बातचीत चल रही है। पिनाका एक मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम है।

शादी न हो पाने पर आपसी सहमति से बने संबंधों को बलात्कार नहीं माना जा सकताः हाईकोर्ट

कोलकाता,एजेंसी। कलकत्ता हाईकोर्ट ने विवाह के वादे और शारीरिक संबंधों के कानूनी पहलुओं पर एक अत्यंत महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि दो वयस्कों के बीच लंबे समय तक आपसी सहमति से शारीरिक संबंध रहे हों और बाद में किन्हीं कारणों से शादी नहीं हो पाती या रिश्ते में कड़वाहट आ जाती है, तो उसे बलात्कार की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। जस्टिस चैताली चटर्जी (दास) ने इस मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि शादी के वादे के खिलाफ बलात्कार का मामला तभी बनता है जब पुरुष का इरादा शुरुआत से ही महिला को धोखा देने का रहा हो। अदालत ने जोर देकर कहा कि जिस तरह से महिला और पुरुष एक-दूसरे के साथ व्यवहार कर रहे थे, वह साफ तौर पर आपसी सहमति को दर्शाता है।

इस मामले के तथ्यों के अनुसार, महिला और पुरुष के बीच रिश्ता साल 2017 में शुरू हुआ था और 2022 तक चला। इस दौरान दोनों ने पति-पत्नी की तरह व्यवहार किया और दीघा, गोवा, पार्क स्ट्रीट और खड़गपुर जैसे विभिन्न स्थानों के होटलों में साथ समय बिताया। महिला ने आरोप लगाया था कि आरोपी ने उसे कुछ नशीला पदार्थ पिलाकर पहली बार यौन संबंध बनाए और बाद में शादी का वादा कर इसे जारी रखा। महिला ने यह भी आरोप लगाया था कि रिश्ते के दौरान वह गर्भवती हो गई थी और आरोपी के वादे पर भरोसा करते हुए उसने गर्भपात कराया। हालांकि, जब आरोपी ने शादी से इनकार कर दिया, तो फरवरी 2022 में पश्चिम मिदनापुर में पुलिस शिकायत दर्ज कराई गई। हाईकोर्ट ने इन आरोपों का बारीकी से विश्लेषण करने के बाद आरोपी के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द कर दिया। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि संबंध बनाने के शुरुआती समय से ही आरोपी का इरादा धोखाधड़ी करने का होना चाहिए था ताकि महिला को यौन संबंध बनाने के लिए प्रेरित किया जा सके। लेकिन इस मामले में, पीड़िता ने लगभग 5-6 वर्षों तक रिश्ता जारी रखा और विभिन्न पर्यटन स्थलों पर आरोपी के साथ स्वेच्छा से गई। कोर्ट ने टिप्पणी की कि इतने लंबे समय तक साथ रहने और साथ घूमने-फिरने की गतिविधियों से यह कहीं भी प्रतीत नहीं होता कि महिला किसी भी प्रकार की गलतफहमी या दबाव में थी। अदालत ने गर्भपात के मुद्दे पर भी गौर किया और कहा कि यह पीड़िता और आरोपी दोनों की आपसी सहमति से किया गया कृत्य था। न्यायाधीश ने कहा कि अगर किसी महिला ने पिछले कई वर्षों में आरोपी के खिलाफ कोई शिकायत नहीं की और रिश्ता जारी रखा, तो यह आपसी समझ और साथ रहने की इच्छा को प्रदर्शित करता है, न कि धोखाधड़ी से उकसावे को। यह फैसला उन मामलों में एक बड़ी कानूनी स्पष्टता प्रदान करता है जहाँ ब्रेकअप या शादी न होने की स्थिति में सहमति से बने संबंधों को आपराधिक रूप देने का प्रयास किया जाता है। अदालत ने निष्कर्ष निकाला कि रिश्ते की विफलता को आपराधिक कृत्य नहीं माना जा सकता जब तक कि धोखे का प्रमाण ठोस न हो।

8वीं तक टेट्रा पैक दूध फ्री... 15,000 शिक्षकों की भर्ती होगी

एमपी में लाड़ली बहनों के लिए 23,882 करोड़ का बजट; विधायक निधि नहीं बढ़ाने पर हंगामा

भोपाल। मध्य प्रदेश के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बुधवार को डॉ. मोहन यादव सरकार का तीसरा बजट पेश किया। वित्तीय वर्ष 2026-27 का ये बजट 4 लाख 38 हजार 317 करोड़ रुपए का है। देवड़ा ने करीब 1 घंटे 30 मिनट का बजट भाषण दिया। उन्होंने कहा- ये बजट GYANII के स्वरूप में है। इसमें गरीब, युवा, अन्नदाता (किसान), नारी, इंफ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्रियलाइजेशन पर फोकस है। इनके लिए 3 लाख करोड़ रुपए यानी कुल बजट के बड़े हिस्से का प्रावधान किया गया है। देवड़ा ने कहा- एमपी में यह पहला रोलिंग बजट है। 2028 में होने वाले सिंहस्थ के लिए 3060 करोड़ का विशेष प्रावधान किया गया है। विधायक निधि नहीं बढ़ाने पर विपक्ष ने हंगामा कर दिया। स्व-सहायता समूह, उज्ज्वला योजना समेत नारी कल्याण की विविध योजनाओं के लिए 1 लाख 27 हजार 555 करोड़ के प्रावधान किए हैं। वर्किंग वूमन के लिए 5700 हॉस्टल बनाए जाएंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास के लिए 40062 करोड़ रुपए की घोषणा की। दरअसल, 2027 में नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव होने हैं। लाड़ली बहनों के लिए 23,882 करोड़ के प्रावधान का ऐलान किया। युवाओं के लिए 15 हजार शिक्षकों की भर्ती का ऐलान किया। 8वीं तक के बच्चों को फ्री टेट्रा पैक दूध देने की घोषणा की। प्रदेश में कोई नया टैक्स नहीं लगेगा। वित्त मंत्री देवड़ा ने जी राम जी के लिए 10428 करोड़ और पीएम जनमन के लिए 900 करोड़ रुपए के प्रावधान का ऐलान किया। वहीं, 1 लाख किसानों को सोलर पंप देने की घोषणा की।

इसके अलावा श्रम विभाग के लिए 1 हजार 335 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है। सड़कों की मरम्मत के लिए 12690 करोड़, जल जीवन मिशन के लिए 4 हजार 454 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि ये पीएम के सपने को साकार करने वाला बजट है। हर नारी को न्याय हमारी सरकार का उद्देश्य है। हम देश के तीसरे युवा प्रदेश हैं। युवाओं के हाथ को काम मिले ये हमारा संकल्प है।

भोपाल के जेपी अस्पताल में शॉर्ट सर्किट से आग

ओपीडी ब्लॉक में भरा धुआं, मरीजों और परिजनों में मची अफरा-तफरी, सर्जिकल सामान जला

भोपाल। भोपाल के जेपी अस्पताल में बुधवार दोपहर अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। घटना दोपहर करीब 12:15 बजे ओपीडी ब्लॉक के पहले फ्लोर पर हुई, जिस कमरे में आग लगी, वहां सिरिंज, सैंपल कलेक्टिंग उपकरण और अन्य सर्जिकल सामान रखा हुआ था। कर्मचारियों के अनुसार, पहले कमरे से धुआं उठता दिखाई दिया, जो कुछ ही मिनटों में आग में बदल गया। देखते ही देखते पूरा ओपीडी ब्लॉक धुएं से भर गया और मरीजों व परिजनों में घबराहट फैल गई।

गार्ड ने ताला तोड़कर बुझाई आग, तबीयत बिगड़ी : गार्ड हरिदेव यादव के अनुसार, 12:15 बजे आग की सूचना मिली। जिस कमरे में आग लगी वो फिलहाल स्टोर की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। कमरे के अंदर से धुआं निकल रहा था, लेकिन गेट पर ताला लगा हुआ था और चाबी ढूंढने में समय लग रहा था। ऐसे में गेट तोड़कर अंदर गया और फायर एक्सटिंग्विशर की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया। करीब 8 कंटेनर से आग बुझ पाई। फायर ब्रिगेड आधे घंटे बाद आई, तब तक इंतजार करते तो आग पूरे में फैल सकती थी। गार्ड यादव ने आगे बताया कि आग बुझाने के बाद उसे बेहोशी सी महसूस हो रही थी। धुआं अंदर पहुंचने से सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। ऐसे में उसे तुरंत ऑक्सीजन सपोर्ट दी गई। अब उसकी स्थिति पहले से बेहतर है लेकिन पेट में जलन और आंख बार-बार बंद होने की समस्या बनी हुई है।

काला धुआं पूरे परिसर में फैल गया : प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अचानक धुआं निकलने पर कर्मचारियों ने तुरंत सतर्कता दिखाई। कुछ ही देर में आग की लपटें दिखाई देने लगीं। प्लास्टिक और सर्जिकल सामग्री जलने से काला धुआं पूरे परिसर में फैल गया। ओपीडी में मौजूद मरीजों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। अस्पताल प्रबंधन ने एहतियात के तौर पर तुरंत बिजली सप्लाई बंद कर दी।

30 मिनट देर से पहुंची फायर ब्रिगेड : अस्पताल प्रशासन ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी। करीब 30 मिनट में दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। हालांकि, तब तक आग पर काबू पा लिया गया था। समय रहते आग बुझा लेने से बड़ा हादसा टल गया। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

पुरानी वायरिंग और कमजोर प्लानिंग भी घटना एक वजह : प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार जिस वायरिंग में शॉर्ट सर्किट हुआ, उसके पास ही सर्जिकल और प्लास्टिक सामग्री रखी थी, जिससे आग तेजी से फैल गई। अस्पताल की पुरानी वायरिंग और कमजोर प्लानिंग को भी घटना की एक वजह माना जा रहा है। घटना के बाद अस्पताल प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थानों पर नियमित विद्युत निरीक्षण और अग्नि सुरक्षा उपायों की सख्त जरूरत है।

ऑटोमैटिक स्प्रिंकलर हुए फेल : जेपी अस्पताल में बीते साल फायर सेफ्टी को लेकर जगह-जगह वॉटर स्प्रिंकलर लगाए गए थे। दावा किया गया था कि छोटी सी आग भी अस्पताल में डिटेक्ट हो जाएगी और ऑटोमैटिक यह स्प्रिंकलर उसे बुझा देंगे, जबकि बुधवार को लगी आग में यह सभी दावे गलत साबित हुए।

मौके पर पहुंचे सिविल सर्जन : जेपी अस्पताल में फायर सेफ्टी के लिए लगाया गया सिस्टम बंद पड़ा था, जिसके चलते आग फैलने के बाद ही धुआं दिखाई देने पर घटना की जानकारी मिल सकी। अस्पताल प्रबंधन ने अब तक फायर सेफ्टी कार्य करने वाली एजेंसी को सिस्टम का हैंडओवर नहीं सौंपा था। जानकारी के मुताबिक, अस्पताल के सिविल सर्जन डॉक्टर संजय जैन छुट्टी 22 फरवरी तक छुट्?टी पर थे, लेकिन घटना की सूचना पर वो मौके पर पहुंचे। सिविल सर्जन डॉ. संजय जैन का कहना है कि इस संबंध में पत्र भेज दिया गया है। फिलहाल एजेंसी को कहकर फायर सिस्टम दोबारा चालू करवा दिया गया है।

इलाज बीच में छोड़कर मरीज-डॉक्टर बाहर आए : ओपीडी ब्लॉक में आग लगते ही धुआं फैलने लगा। मरीज, डॉक्टर ब्लॉक से बाहर निकलने लगे। सभी लोग ब्लॉक के बाहर खड़े होकर आग बुझाने का इंतजार करते रहे। करीब 40-45 मिनट तक इस दौरान अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

प्रबंधन की लापरवाही आग का मुख्य कारण : आग लगने का मुख्य कारण अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही रही। हालांकि, अस्पताल में फायर सेफ्टी के इंतजाम किए गए थे, लेकिन सिस्टम संचालित करने वाली एजेंसी को अब तक इसका हैंडओवर नहीं दिया गया था, जिससे सभी उपकरण केवल शो-पीस बनकर रह गए। आग लगने के बाद सिविल सर्जन कार्यालय में डॉ. संजय जैन और एजेंसी के बीच तीखी नोक-झोंक हुई।

भोपाल में डॉक्टर ने महिला से रेप किया

होटल रूम में महिला को नशीला पदार्थ देकर की वारदात, ग्वालियर का रहने वाला है आरोपी

भोपाल। भोपाल के एमपी नगर में स्थित एक होटल रूम में एक डॉक्टर ने महिला को नशीला पदार्थ देकर उसके साथ रेप किया। आरोपी ग्वालियर का रहने वाला है। पीड़िता को इलाज के बहाने भोपाल लाया था। घटना के तीन दिन बाद महिला एमपी नगर थाने पहुंची तथा रिपोर्ट दर्ज कराई। फिलहाल आरोपी की गिरफ्तारी नहीं की जा सकी है। पुलिस के मुताबिक 30 वर्षीय महिला ग्वालियर की रहने वाली है। ग्वालियर के डॉक्टर अमरीश सेंगर से 7 महीने पहले उसने अपना इलाज कराना शुरू किया। इलाज के बाद चर्म रोग और फैलने लगा तो डॉक्टर ने कहा आगे के इलाज के लिए हमें भोपाल जाकर विशेषज्ञ डॉक्टर को दिखाना होगा तथा कुछ टेस्ट भी कराने होंगे। यह टेस्ट ग्वालियर में कहीं भी नहीं होते हैं। 14 फरवरी को डॉक्टर और महिला मरीज भोपाल पहुंचे तथा एमपी नगर जोन टू स्थित एक होटल में ठहर गए।

अस्पताल ले जाने के बजाए होटल ले गया : महिला को शक हुआ तो उसने अपने पति को फोन कर कहा कि डॉक्टर अस्पताल ले जाने के बजाए होटल में लेकर आ गए हैं। मुझे डॉक्टर की नीयत पर भरोसा नहीं हो रहा। यह सुनने के बाद पति ग्वालियर से भोपाल के लिए निकल गया। इधर रात हो जाने पर महिला ने डॉक्टर से कहा कि होटल में कमरे ले लो तो उसने कहा कि होटल में कमरे खाली नहीं है। रात में खाना खाने के बाद अंबरीश ने चर्म रोग की दवा के साथ नशीला पदार्थ दिया।

महिला के बेसुध होते ही की ज्यादती : महिला जब बेसुध हो गई तो अमरीश ने महिला के साथ दुष्कर्म किया। सुबह पति पहुंच गया बदनामी के डर से उस दिन उन्होंने रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई। ग्वालियर पहुंचने के बाद आरोपी जब इलाज के बहाने फिर से संपर्क करने की कोशिश की तो महिला अपने पति को लेकर भोपाल आई तथा यहां पर एमपी नगर थाने में शिकायत दर्ज करा दी। पुलिस ने डॉक्टर अमरीश के खिलाफ दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

छेड़छाड़ के आरोपी नगरपालिका अध्यक्ष गिरफ्तार

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा की परासिया नगर पालिका के अध्यक्ष विनोद मालवीय को मंगलवार शाम चांदामेटा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मालवीय महिलाओं से छेड़छाड़ और आईटी एक्ट से जुड़े मामले में फरार चल रहे थे। चांदामेटा थाना प्रभारी खेलचंद पटले ने बताया कि बुधवार को कोर्ट में पेश करने पर उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। विनोद मालवीय के खिलाफ महिलाओं से अशोभनीय बातचीत और ठेकेदार से कमीशन मांगने से जुड़ा कथित ऑडियो सामने आने के बाद मामला तूल पकड़ गया था। इसी मामले में उन पर छेड़छाड़ और आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था। विनोद मालवीय ने अपने फेसबुक अकाउंट पर दो दिन पहले एक वीडियो अपलोड किया था। इसमें उन्होंने अपने ऊपर लग रहे आरोपों को लेकर अन्य महिलाओं द्वारा भी संयोजित तरीके से आरोप लगाने का शक जताया था।

पैर छुए...फिर डिप्टी रेंजर और महिला को गोली मारी

रायसेन। रायसेन की अमरावत नर्सरी में मंगलवार दोपहर एक पूर्व कर्मचारी ने डिप्टी रेंजर को गोली मार दी। इसके बाद महिला कर्मचारी सुमन बाई को निशाना बनाया। गोली उसकी पीठ में लगी और शरीर के आर-पार हो गई। वहीं, एक अन्य कर्मचारी डालचंद भागते समय गिर गया, गोली उसके ऊपर से निकल गई। घटना दोपहर करीब 1:30 बजे की है, जब नर्सरी में मजदूर खाना खा रहे थे। पूर्व कर्मचारी पूरन उर्फ गुड्डा लोधी 15 साल तक इसी नर्सरी में काम कर चुका था। मंगलवार को नौकरी से निकाले जाने की टीस में उसने पहले डिप्टी रेंजर राकेश शर्मा को गोली मारी, फिर मजदूर सुमन बाई पर फायरिंग की।

सब्जी विक्रेताओं को 1 महीने की मोहलत

रायसेन नगर पालिका ने सब्जी बाजार शिफ्टिंग के लिए 18 मार्च तक का समय दिया

रायसेन। रायसेन जिला मुख्यालय पर सड़क किनारे लगने वाले सब्जी और फल के सैकड़ों हाथ ठेलों को अब 18 मार्च को रामलीला मैदान में शिफ्ट किया जाएगा। नगर पालिका पहले इन्हें तुरंत हटाना चाहती थी, लेकिन ठेला संचालकों की मांग पर एक महीने का समय दिया गया है। मंगलवार रात स्टेडियम में प्रशासन और ठेला संचालकों की बैठक हुई। इसमें तय हुआ कि 18 मार्च की सुबह 7 बजे से सभी ठेले रामलीला मैदान में लगाए जाएंगे। तब तक एक महीने के लिए ठेले सड़क से पांच फीट अंदर लगाए जाएंगे। ठेला संचालकों ने इस फैसले को मान लिया है।

अधिकारियों की मौजूदगी में फैसला : बैठक में अतिरिक्त कलेक्टर कुलदीप पटेल, सीएमओ सुरेखा जाटव, विधायक प्रतिनिधि जमना सेन और भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे। फैसले को पढ़कर सुनाया गया और ठेला संचालकों से सहमति हस्ताक्षर भी लिए गए।

शहर को साफ-सुथरा बनाने की योजना : नगर पालिका का कहना है कि शहर को सुंदर और साफ रखने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। ठेला संचालकों की मांग पर ही शिफ्टिंग की तारीख एक महीने आगे बढ़ाई गई है।

बोर्ड परीक्षा में नकल कराने का आरोप में शिक्षिका निलंबित

:अंग्रेजी पेपर में प्रिंटेड चिट मिली, कलेक्टर ने की कार्रवाई

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा में हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा 2026 के दौरान बड़ी कार्रवाई सामने आई है। विकासखंड परासिया के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़कुही में अंग्रेजी विषय की परीक्षा के दौरान पर्यवेक्षण कर रहीं माध्यमिक शिक्षिका (उच्च पद प्रभार) श्रीमती कृष्णा शर्मा को निलंबित कर दिया गया है। कलेक्टर हरेंद्र नारायण ने तत्काल प्रभाव से देर शाम निलंबन आदेश जारी किए हैं। मामला परीक्षार्थियों को अनुचित साधन उपलब्ध कराने से जुड़ा बताया जा रहा है।

निरीक्षण में मिला प्रिंटेड नकल सामग्री : जिला शिक्षा अधिकारी जी.एस. बघेल के अनुसार, माध्यमिक शिक्षा मंडल म.प्र. भोपाल द्वारा आयोजित हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा 2026 के अंतर्गत परीक्षा केंद्र क्रमांक 761089, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़कुही में 17 फरवरी 2026 को अंग्रेजी विषय की परीक्षा चल रही थी। इसी दौरान अनुभागीय अधिकारी (राजस्व) परासिया द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय पर्यवेक्षक श्रीमती कृष्णा शर्मा के पास प्रिंटेड नकल सामग्री पाई गई। बताया गया कि यह सामग्री कक्षा 10वीं अंग्रेजी प्रश्नपत्र के प्रश्न क्रमांक-11 से संबंधित उत्तरों की थी। प्राथमिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि उक्त सामग्री परीक्षार्थियों को अनुचित साधन उपलब्ध कराने की मंशा से रखी गई थी।

कलेक्टर ने की कार्रवाई : मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने शिक्षिका को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी, परासिया, जिला छिंदवाड़ा निर्धारित किया गया है।

रतलाम में बारिश, इंदौर-ग्वालियर समेत 22 जिलों में अलर्ट

2 सिस्टम के असर से एमपी में बदलेगा मौसम; उज्जैन-गुना भी भीगेंगे

भोपाल। मध्य प्रदेश के 22 जिलों में बुधवार को आंधी, बारिश और गरज-चमक का अलर्ट है। इनमें इंदौर, ग्वालियर-उज्जैन भी शामिल हैं। रतलाम जिले के अलग-अलग इलाकों में मंगलवार रात बारिश हुई है। 2 साइक्लोनिक सकुर्लेशन (चक्रवात) और एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से मौसम बदलेगा। गुरुवार को भी ग्वालियर-चंबल में बारिश होने का अनुमान है। बुधवार को जिन जिलों में बारिश होने के आसार हैं, उनमें इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, धार, आलीराजपुर, झाबुआ, धार, रतलाम, शाजापुर, राजगढ़, आगर-मालवा, नीमच, मंदसौर, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर शामिल हैं। भोपाल, बड़वानी, खरगोन, देवास, सीहोर, विदिशा, सागर, दमोह, पन्ना और सतना में बादल छाए रह सकते हैं। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि दो साइक्लोनिक सकुर्लेशन और वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से मौसम बदलेगा। बुधवार को ज्यादा जिलों में असर देखने को मिलेगा। इस वजह से न्यूनतम तापमान में फिलहाल बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। मौसम विभाग की मानें तो शुक्रवार को भी सिस्टम का असर देखने को मिलेगा। ग्वालियर, भिंड, दतिया, शिवपुरी, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। इसके बाद सिस्टम कमजोर होगा। इस वजह से कहीं भी बारिश या गरज-चमक का अलर्ट नहीं है।

सेंट्रल ग्रिड से मध्यप्रदेश के हिस्से की बिजली मिलना एवं सौर ऊर्जा निकासी हुई सुलभ

एमपी ट्रांसको ने मंदसौर में 500 एमवीए क्षमता का पावर ट्रांसफॉर्मर किया ऊजीर्कृत: ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

भोपाल। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने मंदसौर 400 केवी सबस्टेशन में 400/220 के वी वोल्टेज लेवल के 500 एमवीए क्षमता के अतिरिक्त पावर ट्रांसफॉर्मर को स्थापित कर सफलतापूर्वक ऊजीर्कृत कर दिया है। यह उपलब्धि मालवा क्षेत्र में बिजली आपूर्ति को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि यह प्रोजेक्ट एमपी ट्रांसको की कार्यकुशलता और उपभोक्ता हित में प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि मंदसौर-नीमच क्षेत्र देश के प्रमुख सौर ऊर्जा क्षेत्र के रूप में उभर चुका है। इससे न केवल क्षेत्र की ऊर्जा मांगों को भरोसेमंद समर्थन मिलेगा बल्कि आने वाले वर्षों में मालवा क्षेत्र की बिजली व्यवस्था और अधिक मजबूत व विश्वसनीय बनेगी।

चंबल पंपिंग परियोजनाओं को भी मिलेगी मदद : मंदसौर में यह 400 केवी का तीसरा पावर ट्रांसफॉर्मर है। इससे पहले यहां 315 एमवीए क्षमता के दो ट्रांसफॉर्मर स्थापित थे, लेकिन क्षेत्र मे सेंट्रल ग्रिड से मध्यप्रदेश के हिस्से का पावर और सौर ऊर्जा उत्पादन में तेजी के साथ चंबल पंपिंग परियोजनाओं की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए अधिक क्षमता वाले पावर ट्रांसफॉर्मर की आवश्यकता थी। नया 500 एमवीए पावर ट्रांसफॉर्मर इन सभी आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा मे एक कदम है।

इन क्षेत्रों को मिलेगा फायदा : एमपी ट्रांसको के मुख्य अभियंता श्री राजीव अग्रवाल ने जानकारी दी कि इस परियोजना के पूरा होने से गुर्जरखेड़ी, सुवासरा, निपानिया, रतनगढ़, दलोदा और नीमच के 220 केवी सबस्टेशनों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। उच्च क्षमता वाला यह पावर ट्रांसफार्मर सोलर पावर की बड़े पैमाने पर निकासी को और सुलभ बनाएगा। साथ ही चंबल सिंचाई परियोजना के पंपिंग सब.स्टेशनों को भी इससे बिजली उपलब्ध होगी। पावरग्रिड के नीमच सबस्टेशन से अब मध्य प्रदेश को उसके हिस्से की पूरी बिजली नियमित रूप से मिलने के अलावा क्षेत्र में पावर ग्रिड द्वारा निमार्णाधीन 765 केवी सबस्टेशन से भविष्य में प्रदेश को अपने हिस्से की बिजली और अधिक सहजता से उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाएगा।

एमपी ट्रांसको की ट्रांसफारमेशन कैपेसिटी हुई 84000 के पार : मंदसौर में इस 500 एमवीए क्षमता के पावर ट्रांसफार्मर के ऊजीर्कृत होने से मध्य प्रदेश राज्य की ट्रांसपोर्टेशन कैपेसिटी (पारेषण क्षमता) बढ़कर अब 88736 एम वी ए की हो गई है। इसमें एमपी ट्रांसको का हिस्सा 84023 एम वी ए का है। मध्य प्रदेश राज्य द्वारा प्रदेश में 439 एक्स्ट्रा हाई टेंशन सब स्टेशनों द्वारा विद्युत पारेषण किया जा रहा है। इसमें एमपी ट्रांसको के 417 सबस्टेशन शामिल हैं। मध्य प्रदेश राज्य के ट्रांसमिशन नेटवर्क में 1091 पावर ट्रांसफार्मर क्रियाशील है जिसमें एमपी ट्रांसको के 1043 पावर ट्रांसफार्मर हैं।

बजट में महिला सशक्तिकरण और बाल कल्याण को मिला ऐतिहासिक बढ़ावा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार ने वर्ष 2026-27 के बजट में महिला एवं बाल विकास विभाग को अभूतपूर्व प्राथमिकता देते हुए 26 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि की है। महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि यह बढ़ोतरी केवल वित्तीय विस्तार नहीं, बल्कि प्रदेश की माताओं, बहनों और बच्चों के जीवन में ठोस परिवर्तन का संकल्प है। मंत्री सुश्री भूरिया ने बताया कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना 2023 के अंतर्गत ?23,883 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जो महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा। वहीं, आंगनवाड़ी सेवाएं (सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0) के लिए ?3,863 करोड़ तथा लाड़ली लक्ष्मी योजना के लिए ?1,801 करोड़ का प्रावधान कर बेटियों की शिक्षा और सुरक्षा को सशक्त आधार दिया गया है। प्रदेश में कुपोषण उन्मूलन और मातृ-शिशु स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम अंतर्गत विशेष पोषण आहार योजना के लिए ?1,150 करोड़ तथा पोषण अभियान (एनएनएम) के लिए ?250 करोड़ निर्धारित किए गए हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) झ मिशन शक्ति सामर्थ्य के लिए ?387 करोड़ का प्रावधान कर गर्भवती एवं धात्री माताओं को सुदृढ़ सहायता सुनिश्चित की गई है। बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में आंगनवाड़ी केन्द्रों के भवन निर्माण हेतु ?337 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। महिला एवं बाल कल्याण संचालनालय के लिए ?561 करोड़ का प्रावधान प्रशासनिक और क्रियान्वयन क्षमता को सशक्त करेगा। इसके साथ ही, जरूरतमंद बच्चों के संरक्षण के लिए नॉन-इंस्टीट्यूशनल केयर (स्पॉन्सरशिप एवं फॉस्टर केयर) हेतु ?168 करोड़ तथा समेकित बाल संरक्षण योजना (आईसीपीएस) झ मिशन वात्सल्य के अंतर्गत ?115 करोड़ की राशि निर्धारित की गई है। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि यह बजट समावेशी विकास की अवधारणा को साकार करता है, जिसमें महिला सशक्तिकरण, पोषण सुरक्षा, बाल संरक्षण और सामाजिक न्याय को एकीकृत दृष्टिकोण से आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि 26 प्रतिशत की बजट वृद्धि से स्पष्ट है कि राज्य सरकार महिला एवं बाल विकास को नीति-निर्माण के केंद्र में रखकर भविष्य की पीढ़ियों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि यह बजट प्रदेश में सामाजिक सुरक्षा के दायरे को व्यापक बनाते हुए नारी शक्ति और बाल समृद्धि को विकास की मुख्य धारा में स्थापित करने की दिशा में एक सशक्त कदम माना जा रहा है।

विकसित मध्यप्रदेश की दिशा में ऐतिहासिक बजट : मंत्री सिंह

लोक निर्माण से लोक कल्याण वाला बजट, अधोसंरचना विकास को नई गति

जबलपुर में 382 करोड़ के 34 निर्माण कार्यों को बजट में स्वीकृति - सड़क अधोसंरचना को मिलेगी नई गति

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने मध्यप्रदेश विधानसभा में प्रस्तुत वर्ष 2026-27 के बजट को प्रदेश के समग्र विकास का दूरदर्शी एवं परिणामोन्मुखी दस्तावेज बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास संकल्प के मार्गदर्शन में तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश तेजी से प्रगति कर रहा है। प्रधानमंत्री द्वारा प्रतिपादित ऋअठ (गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी) के संकल्प में राज्य सरकार ने दो 'I' - इंडस्ट्री और इंफ्रास्ट्रक्चर को जोड़ते हुए GYANII के मार्गदर्शी सिद्धांत पर बजट तैयार किया है। मंत्री सिंह ने कहा कि यह देश का पहला रोलिंग बजट है, जो आगामी दो वर्षों के विकास का स्पष्ट खाका प्रस्तुत करता है तथा अमृतकाल 2047 के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए विकास का नया पैमाना तय करता है। 4,38,317 करोड़ के इस बजट से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। वर्ष 2026-27 में राज्य का सकल घरेलू उत्पाद 18,48,274 करोड़ अनुमानित है, जो वर्ष 2025-26 के अनुमान से 10.69 प्रतिशत अधिक है। मंत्री सिंह ने कहा कि लोक निर्माण से लोक कल्याण के लक्ष्य को साकार करते हुए प्रदेश में अधोसंरचना विकास कार्य निरंतर गति पकड़ रहे हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक 2,190 किलोमीटर सड़कों का निर्माण एवं उन्नयन, 992 किलोमीटर सड़कों का नवीनीकरण तथा 30 पुलों एवं रेलवे ओवर ब्रिजों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त लगभग 3,000 करोड़ लागत के प्रमुख कार्य पूर्ण हुए हैं, जिनमें सिक्स लेन कोलार रोड, भोपाल में गायत्री मंदिर से गणेश मंदिर तक फ्लाईओवर तथा दमोह नाका एलीवेटेड कॉरिडोर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह बजट प्रदेश में सुगम, सुरक्षित एवं आधुनिक परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए औद्योगिक विकास, निवेश, रोजगार सृजन और क्षेत्रीय संतुलित विकास को नई गति देगा। यह बजट विकसित मध्यप्रदेश और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस बजट में लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत जबलपुर जिले के लिए कुल 34 निर्माण कार्यों को सम्मिलित किया गया है, जिनकी कुल स्वीकृत लागत 382 करोड़ है। यह प्रावधान जिले की सड़क एवं परिवहन अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है।

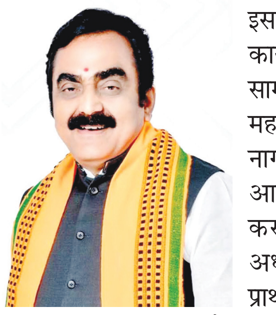

सबसे प्रमुख निर्माण कार्य :

महागवा-चरगवा-शहपुरा-पाटन-पौड़ी-कटंगी-मझौली मार्ग का है, जिसकी कुल लंबाई 102 किलोमीटर है तथा इसकी लागत 200 करोड़ है। यह मार्ग क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करते हुए ग्रामीण और अर्द्धशहरी क्षेत्रों को मुख्य परिवहन नेटवर्क से जोड़ेगा, जिससे व्यापार, कृषि परिवहन और आवागमन को नई गति मिलेगी। इसी प्रकार सिहोरा-मझौली-कटाप-गुबरा-तीरहा मार्ग के निर्माण को भी सम्मिलित किया गया है। 34 किलोमीटर लंबाई वाले इस मार्ग पर 75 करोड़ की लागत से कार्य किया जाएगा। यह सड़क क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी तथा नागरिकों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराएगी। शहरी क्षेत्र में भी अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण को प्राथमिकता दी गई है। मेहता पंप से अग्रसेन चौक होते हुए उखरी चौक तक तथा एकता चौक से अहिंसा चौक तक सीसी रोड निर्माण कार्य को भी सामिलित किया गया है, जिसकी कुल लागत 17 करोड़ है।

बजट में सम्मिलित अन्य कार्य :

ग्राम छपरी भर्रा से सिमरिया तक 1.50 किमी लंबाई का सड़क निर्माण कार्य 1.50 करोड़ की लागत से किया जाएगा। ग्राम मड़ोद से मुडिया मार्ग तक 1.10 किमी लंबाई की सड़क का निर्माण 1.50 करोड़ की लागत से किया जाएगा।

मुडिया से सीगनतलाई तक 2.00 किमी लंबी सड़क का निर्माण कार्य 2.00 करोड़ की लागत से किया जाएगा।

ग्राम पंचायत धरमपुरा से नुनपुर होते हुए घुघरा (राम पथ गमन) मार्ग का 3.00 किमी लंबाई में निर्माण 4.20 करोड़ की लागत से किया जाएगा।

भमका से सिद्धघाट कुलोन मार्ग का 6.50 किमी लंबाई में निर्माण कार्य 6.50 करोड़ की लागत से किया जाएगा।

झण्डा चौक से परियट तक 1.00 किमी लंबा ग्रीन मार्ग 2.50 करोड़ की लागत से किया जाएगा।

दर्शन सिंह तिराहा से मस्ताना चौक तक 1.00 किमी लंबी सड़क का निर्माण 1.00 करोड़ की लागत से किया जाएगा।

जबलपुर शहर के पंचशील नगर, गीता विहार एवं आजाद चौक क्षेत्र की सड़कों का 7.20 किमी लंबाई में सुदृढ़ीकरण 7.25 करोड़ की लागत से किया जाएगा।

जबलपुर शहर के ग्वारीघाट, ब्रजमोहन नगर एवं पुराने स्टेशन क्षेत्र की सड़कों का 6.30 किमी लंबाई में सुदृढ़ीकरण कार्य 6.35 करोड़ की लागत से किया जाएगा।

छत्तरपुर से चरखी पहुँच मार्ग का 1.50 किमी लंबाई में निर्माण 2.00 करोड़ की लागत से किया जाएगा।

वीरनेर से आमाखोह तक 2.00 किमी लंबी सड़क का निर्माण कार्य 2.00 करोड़ की लागत से किया जाएगा।

छत्तरपुर रिंग रोड चौराहा से शाला भवन होते हुए निभोरा को जोड़ने हेतु 2.00 किमी लंबी सड़क का निर्माण 2.00 करोड़ की लागत से किया जाएगा।

पनागर-मुडिया-पड़ौरा-सलैया मार्ग का 9.20 किमी लंबाई में निर्माण कार्य 7.00 करोड़ की लागत से किया जाएगा।

धपपुरी-पड़वार-इमलई मार्ग का 5.00 किमी लंबाई में निर्माण 4.00 करोड़ की लागत से किया जाएगा।

रमखिरिया से चिकली देवरी पहुँच मार्ग का 5.00 किमी लंबाई में निर्माण कार्य 4.75 करोड़ की लागत से किया जाएगा।

चौराई-कऊझर-मोहनी-मड़ई-मकरार-उमरिया मार्ग का 8.00 किमी लंबाई में निर्माण 5.40 करोड़ की लागत से किया जाएगा। इन कार्यों के पूर्ण होने से शहर में यातायात व्यवस्था सुदृढ़ होगी, सड़क की गुणवत्ता बेहतर होगी तथा आम नागरिकों को दीर्घकालिक सुविधा प्राप्त होगी। इसके अतिरिक्त, जबलपुर जिले के कई महत्वपूर्ण मार्गों को हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (HAM) पर निर्मित करने हेतु बजट में सम्मिलित किया गया है। यह मॉडल निर्माण की गुणवत्ता, समयबद्धता और दीर्घकालिक रखरखाव सुनिश्चित करने की दृष्टि से अत्यंत प्रभावी माना जाता है।

हाइब्रिड एन्युटी मॉडल के प्रमुख कार्य :

झिरिया-बधराजी-महगवां-खमतरा-विलायतकलां मार्ग (लंबाई 112 किमी),

रिछाई-तिलसानी-बधराजी-प्रतापपुर-सिहोरा-भीमखेड़ा मार्ग (लंबाई 114 किमी),

पनागर-सिंगलद्वीप-मझौली-अभाना-वचौया-बहोरीबंद-सलीमनाबाद मार्ग (लंबाई 79 किमी), तथा

बरगी नगर-भेड़ाघाट-उड़ना-सकरा मार्ग (लंबाई 74 किमी) शामिल हैं।

इन मार्गों के निर्माण से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की कनेक्टिविटी मजबूत होगी, पर्यटन स्थलों तक पहुंच सुगम होगी तथा कृषि एवं औद्योगिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

हाइब्रिड एन्युटी मॉडल के माध्यम से निजी भागीदारी के साथ गुणवत्तापूर्ण निर्माण और निर्धारित अवधि तक रखरखाव सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे प्रदेश को टिकाऊ और आधुनिक सड़क नेटवर्क प्राप्त होगा।

सिंह ने कहा जबलपुर जिले में इन 34 निर्माण कार्यों के माध्यम से न केवल सड़क नेटवर्क का विस्तार होगा, बल्कि निर्माण गतिविधियों से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। यह बजटीय प्रावधान क्षेत्र के समग्र विकास, निवेश प्रोत्साहन और बेहतर जीवन गुणवत्ता की दिशा में एक मजबूत कदम है।

मप्र के बजट में सभी वर्ग के व्यापारियों का विशेष ध्यान - शरद अग्रवाल

भारतीय जनता पार्टी व्यापारी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक शरद अग्रवाल ने बताया कि मध्य प्रदेश का बजट जिसका आकार 4 लाख 38 हजार 317 करोड़ रुपये है। यह बजट मोहन यादव सरकार का तीसरा बजट है और इसमें महिला, युवा, किसान और गरीब कल्याण पर विशेष ध्यान दिया गया है। बजट में कोई नया टैक्स नहीं लगाया गया है और लाड़ली बहना योजना के लिए 23,882 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है श्री अग्रवाल ने बताया यह बजट में किसानों का, दूध की डेरी का , शिक्षा के क्षेत्र में , व्यापार को ऊंचाइयां प्राप्त करने का , स्वस्थ , बिजली , लोक निर्माण , जल संसाधन , नर्मदा घाटी , संस्कृति विभाग , पर्यटन विभाग आदि में प्रावधान किया गया ।

राज्य के समग्र विकास के प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब : सुमित्रा वाल्मीक

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2026झ27 के बजट पर सुमित्रा वाल्मीकि राज्यसभा सांसद ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बताया कि बजट में अब तक का सर्वाधिक ?4 लाख 38 हजार 317 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जो राज्य के समग्र विकास के प्रति मध्य प्रदेश सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करता है। प्रदेश के नौनिहाल हेतु 24,662 सक्षम आंगनबाड़ी का निर्माण किया जाएगा। माननीय प्रधानमंत्री श्री ठंशेल्लश्ि टर्ङ्की जी के 'ऋअठ' के संकल्प में प्रदेश सरकार ने 'आई' (क) भी जोड़ा है. 'ऋअठक्क' अर्थात 'गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी शक्ति, इंफ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्री' के मार्गदर्शी सिद्धान्त पर है। यह बजट विकसित भारत @ 2047 के विजन और केंद्र सरकार से निरंतर प्राप्त सहयोग के साथ पूरी तरह समन्वित है। लगातार तीसरी बार सरकार ने कोई भी टैक्स नहीं बढ़ाया है।अन्नदाताओं को ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ?3,000 करोड़ के प्रावधान से किसानों को 1 लाख से अधिक सोलर पंप उपलब्ध कराए जाएंगे .सिंहस्थ महापर्व के सुव्यवस्थित, दिव्य एवं भव्य आयोजन हेतु ?3,060 करोड़ की राशि का प्रावधान किया गया है, जो प्रदेश सरकार की सांस्कृतिक आस्था के प्रति प्रतिबद्धता तथा जनसुविधाओं के विस्तार के संकल्प को दशार्ता है।

बजट प्रावधान मध्यप्रदेश के विकास की ऊंची उड़ान भरने के पंख बनेंगे : सांसद आशीष दुबे

जबलपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद आशीष दुबे ने मध्य प्रदेश के आज प्रस्तुत बजट को विकास का रोड मैप बताते हुए कहा है कि प्रस्तुत बजट में हर वर्ग के लिए स्पष्ट खाका तय है जिससे यह बजट आकांक्षाओं को पूर्ण करने वाला बजट है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने जो बजट प्रस्तुत किया है वह स्पष्ट रूप से दशार्ता है कि मध्य प्रदेश अग्रिम पायदान पर पहुंचने के लिए तैयार है और सरकार हर वर्ग की बेहतरी के लिए मजबूत कदम उठा रही है। उन्होंने आगे कहा कि आज प्रस्तुत बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ-साथ उद्योग, हमारे अन्नदाता किसान, मध्यम वर्ग, नारी शक्ति सहित युवाओं के लिए भी वह सभी प्रावधान किए गए हैं जिससे संबंधित वर्ग को भरपूर लाभ होगा। सांसद श्री दुबे ने कहा कि आस्था के साथ अर्थव्यवस्था के अनोखे संगम ने बजट को बहुत महत्वपूर्ण बना दिया है और मुख्य 6 सेक्टरों पर बजट में सबसे ज्यादा प्रावधान किए गए हैं। गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी शक्ति, इंफ्रास्ट्रक्चर, इंडस्ट्री पर केंद्रित यह बजट वास्तव में एक जबरदस्त मास्टर स्ट्रोक कहा जा सकता है। बजट में 6 महत्वपूर्ण सेक्टरों पर 3 लाख करोड़ से अधिक खर्च करने का प्रावधान किया गया है जिसे सांसद आशीष दुबे ने सरकार का स्पष्ट विजन और दूरदर्शी निर्णय बताया है। सांसद श्री दुबे ने कहा कि डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार बहुत अच्छा कार्य कर रही है और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा प्रस्तुत प्रदेश के बजट में गरीबों के कल्याण, युवाओं, किसानों, उद्योग, इंफ्रास्ट्रक्चर, नारी शक्ति पर सबसे ज्यादा ध्यान देना यह बताता है कि सरकार अपने दावों और वादों के प्रति बहुत ज्यादा गंभीर है। इन सभी क्षेत्र के लिए भरपूर मात्रा में बजट प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि नई औद्योगिक नीति, सिंगल विंडो सिस्टम को मजबूत करने और 33 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों को जमीन पर उतारने की बात कही गई है,श्रम विभाग को 1,335 करोड़ दिए गए हैं जो प्रदर्शित करता है कि अब मध्यप्रदेश विकास की ऊंची उड़ान भरने तैयार है और बजट में किए गए प्रावधान इस ऊंची उड़ान के सशक्त पंख बनेंगे।

समग्र विकास व सुदृढ़ अर्थव्यवस्था का दृष्टिपत्र : रत्नेश सोनकर

प्रदेश की भाजपा सरकार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में हर समाज, वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है, यह इस बार के प्रदेश बजट में हमें देखने मिला है, मध्यप्रदेश सरकार का बजट समग्र विकास व सुदृढ़ अर्थव्यवस्था का दृष्टिपत्र है, यह बात भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने मप्र के बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कही। जिला अध्यक्ष श्री सोनकर ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के साथ आत्मनिर्भर बनाने का जो लक्ष्य लेकर कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार ने पूंजीगत व्यय को बजट में बढ़ाया है, जिससे मध्यप्रदेश के सर्वांगीण विकास की परिकल्पना साकार होगी।

श्री सोनकर ने कहा यह बजट विकसित मध्यप्रदेश के संकल्प को साकार करने के साथ जनकल्याण को नई ऊंचाई देगा।जनहितैषी बजट के लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, एवं वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा के प्रति आभार व्यक्त करता हूं।

आत्मनिर्भर मप्र के लिये एक मजबूत बजट

बुधवार को मप्र के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा जी द्वारा लगातार 6वीं बार प्रस्तुत बजट प्रधानमंत्री जी के 2047 के विकसित भारत में एवं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा लगातार उद्योगों को और बुनियादी सुविधाओं को बढ़ावा देने हेतु लगातार रीजनल इन्वेस्टर्स समिट के परिणाम और मप्र को विकसित राज्य की ओर अग्रसर करने का बजट है। यह 4.38 लाख करोड़ का बजट उद्योग और बुनियादी ढांचा के विकास का सर्व समावेशी, रोजगार प्रदान करने वाला, आर्थिक सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के साथ आत्मनिर्भर मप्र के लिये एक मजबूत आधार तैयार करने पर केंद्रित है। गरीब, युवा, किसान, नारी और युवाओं सहित सभी वर्गों के हित का बजट है.

सीए अखिलेश जैन
प्रदेश कोषाध्यक्ष भाजपा मप्र

संपूर्ण विकास, विजन और अर्थव्यवस्था का प्रलेख : अशोक रोहाणी

बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने और अभ्युदय मध्य प्रदेश के संकल्प को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने सभी वर्गों के उत्थान और सशक्तिकरण के लिए बजट पेश किया। यह बजट संपूर्ण वर्गों के विकास के लिए है जिसमें हमारी सरकार ने खेल एवं युवा कल्याण, नारी कल्याण, किसान कल्याण, सिंहस्थ जैसे वैश्विक आयोजन, शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, अधोसंरचना और उद्योग की वृद्धि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रावधान लाकर समृद्ध, सुखद और सम्पन्न मध्यप्रदेश की परिकल्पना की है। मैं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव तथा वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा का जनहितैषी बजट के लिए आभार व्यक्त करता हूं। साथ ही जबलपुर में पर्यटन को बढ़ावा देने की दृष्टि से भेड़ाघाट पर्यटन स्थल को विकसित करने के प्रावधान के लिए भी आभार व्यक्त करता हूं।

विकसित मध्यप्रदेश के विजन का बजट : डॉ अभिलाष पाण्डेय

मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अपना बड़ा बजट पेश कर दिया है। उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने विधानसभा में लगातार छठी बार बजट भाषण पढ़ा। करीब 4.38 लाख करोड़ रुपए का यह बजट पिछले बजट से 11% अधिक है । बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए जबलपुर उत्तर मध्य विधानसभा के युवा विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय ने कहा कि मध्यप्रदेश की जनहितैषी सरकार ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में इस बजट के जरिए किसान, महिला, युवा और गरीब- सभी वर्गों का ध्यान रखा है। विधायक डॉ पाण्डेय ने कहा कि बेरोजगारी को दूर करने और युवाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से सरकार ने इस बजट में सरकारी भर्तियों का पिटारा खोल दिया है। विशेष रूप से शिक्षा और सुरक्षा के क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर नौकरियों का ऐलान किया गया है, जिसके तहत सरकार 15 हजार शिक्षकों की भर्ती करेगी, वहीं पुलिस विभाग में 22,500 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू करने का महत्वपूर्ण प्रावधान किया गया है। डॉ पाण्डेय ने बताया कि हमारी सरकार एक संवेदनशील सरकार है इस बजट में इसकी छाप स्पष्ट रूप से देखने को मिलती है इस बजट में तलाकशुदा एवं विधवा महिलाओं के लिए पेंशन की घोषणा की गई है जो कि एक संवेदनशील एवं सामाजिक रूप से सराहनीय कदम है।

आत्मनिर्भर मप्र के लिये एक मजबूत बजट

बुधवार को मप्र के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा जी द्वारा लगातार 6वीं बार प्रस्तुत बजट प्रधानमंत्री जी के 2047 के विकसित भारत में एवं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा लगातार उद्योगों को और बुनियादी सुविधाओं को बढ़ावा देने हेतु लगातार रीजनल इन्वेस्टर्स समिट के परिणाम और मप्र को विकसित राज्य की ओर अग्रसर करने का बजट है। यह 4.38 लाख करोड़ का बजट उद्योग और बुनियादी ढांचा के विकास का सर्व समावेशी, रोजगार प्रदान करने वाला, आर्थिक सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के साथ आत्मनिर्भर मप्र के लिये एक मजबूत आधार तैयार करने पर केंद्रित है। गरीब, युवा, किसान, नारी और युवाओं सहित सभी वर्गों के हित का बजट है.

सीए अखिलेश जैन
प्रदेश कोषाध्यक्ष भाजपा मप्र

जनसमस्याओं और अधूरे वादों पर उठाए सवाल

मध्यप्रदेश विधानसभा के चालू सत्र में जबलपुर पूर्व से कांग्रेस विधायक लखन घनघोरिया ने प्रदेश की जनसमस्याओं, प्रशासनिक अव्यवस्थाओं और सरकार के अधूरे वादों को लेकर जोरदार तरीके से अपनी बात रखी। अपने भाषण में श्री घनघोरिया ने सरकार द्वारा वर्ष 2047 तक प्रदेश को विकसित बनाने के दावों पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि जब वर्तमान की समस्याओं का समाधान ही नहीं हो पा रहा है, तो भविष्य के बड़े-बड़े वादे केवल घोषणाएं भर बनकर रह जाते हैं। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि वह जमीनी वास्तविकताओं को स्वीकार करे और जनहित के मुद्दों पर ठोस, समयबद्ध और पारदर्शी कार्यवाही सुनिश्चित करे। कांग्रेस पार्टी सदन के भीतर और बाहर जनता की आवाज मजबूती से उठाती रहेगी और प्रदेश के नागरिकों के अधिकारों एवं हितों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि विपक्ष के सुझावों को सकारात्मक रूप से लेते हुए प्रदेश के सर्वांगीण विकास की दिशा में वास्तविक कदम उठाए जाएं।

उद्योग व्यापार के लिए उम्मीद से कम : खरे

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट व्यापार एवं एमएसएमई क्षेत्र के लिए प्रत्यक्ष प्रोत्साहन उपायों की अपेक्षा अधूरा प्रतीत हो रहा है। फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के उपाध्यक्ष हिमांशु खरे ने बताया कि

बजट में बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं कृषि क्षेत्र में किए गए बड़े प्रावधान राज्य की आर्थिक गतिविधियों को गति देने वाले हैं। सड़क, परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स पर किए गए निवेश से उद्योगों की लागत में कमी आएगी और राज्य की निवेश क्षमता में बढ़ोत्तरी होगी।

कमजोर पक्ष :

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि बजट में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर, एमएसएमई, स्टार्टअप एवं निर्यात प्रोत्साहन के लिए प्रत्यक्ष वित्तीय प्रोत्साहन, कर राहत या नई औद्योगिक प्रोत्साहन योजनाओं की घोषणा सीमित रही है। हिमांशु खरे के अनुसार राज्य स्तर पर उत्पादन-प्रोत्साहन योजना, औद्योगिक क्लस्टर विकास, ब्याज सब्सिडी एवं सिंगल विंडो क्लीयरेंस प्रणाली को और मजबूत करने के ठोस उपायों की घोषणा की जाएगी जो कि पूर्ण नहीं हो पाई। उन्होंने राज्य में बढ़ते ऋण और भविष्य में संभावित कर एवं शुल्क वृद्धि को लेकर भी चिंता व्यक्त करते हुए सरकार से राजकोषीय संतुलन बनाए रखने का आग्रह किया। राज्य सरकार से आग्रह किया है कि आगामी नीतियों में निजी निवेश आकर्षण, एमएसएमई सशक्तिकरण, टेक्नोलॉजी आधारित उद्योगों को बढ़ावा तथा नियातीन्मुख उद्योगों के लिए विशेष पैकेज की घोषणा की जाए, ताकि मध्य प्रदेश को उद्योग एवं निवेश के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सके।

विकसित भविष्य की ओर मजबूत कदम

यह बजट विकास और जनकल्याण का संतुलित एवं दूरदर्शी दस्तावेज है, जिससे जबलपुर सहित समूचे महाकौशल क्षेत्र को नई ऊर्जा और गति प्राप्त होगी। अधोसंरचना, स्वास्थ्य, शिक्षा, नगर विकास, सड़क एवं पेयजल योजनाओं के लिए बढ़ाए गए प्रावधान शहर के नियोजित विस्तार और मूलभूत सुविधाओं की मजबूती सुनिश्चित करेंगे, वहीं औद्योगिक निवेश और रोजगारोन्मुख पहलों से स्थानीय युवाओं के लिए व्यापक अवसर सृजित होंगे। ग्रामीण अंचलों में कृषि प्रोत्साहन योजनाओं तथा सोलर पंप जैसी पहलें किसानों को सीधे लाभान्वित करेंगी और महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का विस्तार परिवारों को आर्थिक स्थिरता प्रदान करेगा। समग्र रूप से यह बजट जबलपुर को शिक्षा, स्वास्थ्य और औद्योगिक विकास के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण सिद्ध होगा तथा ह्विकसित मध्यप्रदेशह्व के संकल्प को साकार करने में प्रभावी भूमिका निभाएगा।

प्रभात साहू
पूर्व महापौर

संपादकीय

उम्मीदों की चिप

भारत चला आत्मनिर्भर-तरक्की की राह

भारत ने टेक क्रांति की तरफ बढ़ते हुए पहला पूर्णतः स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर विकसित कर लिया है। इसरो की सेमीकंडक्टर लैब इस कामयाबी की साक्षी बनी है। पहली मेड इन इंडिया चिप का उत्पादन गुजरात के साणंद स्थित पायलट प्लांट से शुरू होगा। केंद्र की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत 18 अरब डॉलर से ज्यादा के कुल निवेश वाली दस सेमीकंडक्टर परियोजनाएं देश में चल रही हैं। जिनमें से एक पंजाब के मोहाली में स्थित है।

भारत ने टेक क्रांति की तरफ बढ़ते हुए पहला पूर्णतः स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर विकसित कर लिया है। इसरो की सेमीकंडक्टर लैब इस कामयाबी की साक्षी बनी है। पहली मेड इन इंडिया चिप का उत्पादन गुजरात के साणंद स्थित पायलट प्लांट से शुरू होगा। केंद्र की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत 18 अरब डॉलर से ज्यादा के कुल निवेश वाली दस सेमीकंडक्टर परियोजनाएं देश में चल रही हैं। जिनमें से एक पंजाब के मोहाली में स्थित है। इस कड़ी प्रतिस्पर्धा वाले चिप क्षेत्र में भारत की यह दस्तक उत्साह जगाने वाली है। भारत इस क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी बनने के लिये उत्सुक है। तभी सेमीकॉन इंडिया-2025 के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया में बड़े बदलाव की नींव रखेगी। हालांकि, इस राह में अभी कई चुनौतियां हैं, लेकिन उम्मीद है कि छह सौ अरब डॉलर वाले वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में भारत की हिस्सेदारी आने वाले वर्षों में 45 से 50 अरब डॉलर की हो सकती है। फिलहाल आधुनिक समय की इस जादुई चिप के उत्पादन में ताइवान, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन और अमेरिका जैसे देशों का वर्चस्व है। यहां तक कि छोटा-सा देश ताइवान दुनिया के लगभग साठ फीसदी से ज्यादा सेमीकंडक्टर का उत्पादन कर रहा है। जिसमें करीब नब्बे फीसदी उन्नत सेमीकंडक्टर शामिल हैं। दरअसल, कोविड संकट के बाद आधुनिक तकनीक व उन्नत उपकरणों में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका के चलते इस क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर होड़ पैदा हो गई है। निस्संदेह, भारत को चिप उत्पादन क्षेत्र में एक दिग्गज देश बनने के लिए निरंतर निवेश, अनुसंधान-विकास और विनिर्माण की आवश्यकता होगी। हाल ही में प्रधानमंत्री की जापान यात्रा से उम्मीद जगी है कि वह वैश्विक सेमीकंडक्टर डिजाइन पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करने में भारत के लिये मददगार साबित हो सकता है। यह सुखद ही है कि भारत में चिप उत्पादन परियोजनाओं में जापानी निवेश बढ़ रहा है।निश्चय ही भारत यदि अनुसंधान-विकास व व्यापार सुगमता की स्थितियां निर्मित कर लेता है तो हमारी सेमीकंडक्टर आयात के लिये दूसरे देशों पर निर्भरता कम हो सकती है। इससे हम वैश्विक दबाव से मुक्त होकर अपनी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बना सकते हैं। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सफलता हासिल करने की दिशा में भारत का एक सशक्त पक्ष यह भी है कि दुनिया के लगभग बीस फीसदी चिप डिजाइन इंजीनियर भारत में हैं। दरअसल, इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी क्षेत्र में कामयाबी के लिये भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर परियोजना के रूप में एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है।

आज का विचार

समझने ही नहीं देती सियासत हम को सच्चाई
कभी चेहरा नहीं मिलता कभी दर्पन नहीं मिलता

अज्ञात

क्या राजनीति में सस्ती लोकप्रियता का मार्ग अपशब्द है

संसदीय व्यवस्था में चुनावों से राष्ट्र का भाग्य तय होता है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र है। भारत के लोग ही भारत के भाग्य विधाता हैं। निष्पक्ष चुनावों से लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होती है। जन गण मन का शासन मिलता है। भारतीय शासन प्रणाली में संसदीय जनतंत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। लोकतंत्र जनता के द्वारा जनता के लिए है। इन निष्पक्ष चुनाव के लिए राष्ट्रपति द्वारा एक चुनाव आयोग के गठन का अधिकार है। यह अधिकार संविधान के भाग 15 में दिया गया है।

संसदीय व्यवस्था में चुनावों से राष्ट्र का भाग्य तय होता है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र है। भारत के लोग ही भारत के भाग्य विधाता हैं। निष्पक्ष चुनावों से लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होती है। जन गण मन का शासन मिलता है। भारतीय शासन प्रणाली में संसदीय जनतंत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। लोकतंत्र जनता के द्वारा जनता के लिए है। इन निष्पक्ष चुनाव के लिए राष्ट्रपति द्वारा एक चुनाव आयोग के गठन का अधिकार है। यह अधिकार संविधान के भाग 15 में दिया गया है। चुनाव आयोग की नैतिक जिम्मेदारी होती है कि वह निष्पक्ष चुनाव की व्यवस्था बनाए। निष्पक्ष चुनाव कराए। राजनीतिक दल चुनावों में भागीदारी करते हैं। बहुमत या गठबंधन से सरकारें बनाते हैं। कई बार गठबंधन से बनने वाली सरकारों पर सौदेबाजी के आरोप लगते हैं। संविधान प्रत्येक वयस्क भारतीय को मताधिकार का अधिकार देता है।

विषय बिहार राज्य के संभावित विधानसभा चुनाव की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित है। निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कर नई मतदाता सूची बनाई जाएगी। इसी नई मतदाता सूची के पुनरीक्षण कराए जाने में निर्वाचन आयोग और विपक्षी दलों के बीच विवाद है। वे केंद्र सरकार पर हमलावर है। प्रकरण उच्चतम न्यायालय में है। निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची के ॡगहन पुनरीक्षणॡ में बड़ी संख्या में नामों को अलग किया है। इसमें कुछ घुसपैठिये भी हैं। इसकी संख्या 65 लाख बताई जाती है। उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि निर्वाचन आयोग 65 लाख नाम जो मतदाता सूची में गलत पाए गए हैं उन्हें आयोग उनके नाम और उनको बाहर करने का कारण सार्वजनिक जारी करे। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का यह प्रकरण इसलिए गहराया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने कई बार अनेक स्थानों पर निर्वाचन आयोग पर वोट चोरी के आरोप लगाए हैं। यह आरोप मीडिया में सनसनी बने। सत्ता पक्ष ने इन आरोपों का खंडन किया है। निर्वाचन आयोग ने इस पर अपनी राय रखने और तथ्यपरक जानकारी राष्ट्र के सामने रखने में कोताही बरती है। यहां यह ध्यान देने योग्य है कि वोट चोरी जैसे शब्दों के प्रयोग ने निर्वाचन आयोग को आहत किया गया है। एसआईआर प्रकरण अभी भी उच्चतम न्यायालय में है।

भारतीय संविधान के भाग 15 अनुच्छेद 324 में संविधान के अधीन संसद और प्रत्येक राज्य के विधानमंडल के लिए कराए जाने वाले सभी निर्वाचनों के लिए तथा राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति के पदों के निर्वाचन के लिए निर्वाचन नामावली तैयार करने और निर्वाचनों के लिए एक आयोग होगा। इसे संविधान में निर्वाचन आयोग कहा गया है। अनुच्छेद 325 में धर्म, मूलवंश, जाति या लिंग के आधार पर किसी व्यक्ति का निर्वाचन नामावली में नाम सम्मिलित किए जाने का अपात्र न होना और उसके द्वारा किसी विशेष निर्वाचक नामावली में सम्मिलित किए जाने का दावा न किया जाना लिखा है। संसद या किसी राज्य के विधान मंडल के सदन या प्रत्येक सदन के लिए निर्वाचन के लिए प्रत्येक प्रादेशिक निर्वाचन के लिए एक साधारण निर्वाचक नामावली होगी। अनुच्छेद 326 में लोकसभा, विधानसभा के लिए निर्वाचन मताधिकार के आधार पर होंगे, अर्थात प्रत्येक व्यक्ति जो भारत का नागरिक है। 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका है। समुचित विधानमंडल द्वारा बनाई गई किसी विधि के अधीन चित्त विकृति, अपराध या भ्रष्ट या अवैध आचरण के आधार पर अन्यथा अयोग्य नहीं कर दिया जाता है। मतदाता के रूप में रजिस्ट्रीकृत का हकदार होगा। अनुच्छेद 327 और 328 में कहा गया है, कि संविधान के उपबंधों के अधीन समय-समय पर संसद विधानमंडल सदन के लिए निर्वाचन नामावली निर्वाचन क्षेत्र का परिसीमन शामिल है। उस राज्य के विधान मंडल सदन के लिए संबंधित सभी विषयों जिसके अंतर्गत निर्वाचक नामावली तैयार कराना सदनों के सम्यक गठन सुनिश्चित करने की व्यवस्था है।

स्पष्ट रूप से भारत का प्रत्येक नागरिक लोकतांत्रिक व्यवस्था में सहयोग करेगा। मताधिकार का हकदार होगा। ऐसे किसी भी कारण और आरोप अवैध आचरण के बिना मताधिकार से वंचित किया जाना न्यायसंगत नहीं प्रतीत होता है। संविधान में प्रदत्त अधिकारों के अंतर्गत राजनीतिक दलों गठन होता है। राजनीतिक दलों का उद्देश्य राष्ट्र के वैभव के लिए ही होना चाहिए। राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता अपने अपने दलों की विचारधारा के प्रचार प्रसार के लिए स्वतंत्र होते हैं। अनेक मुददों पर राय भिन्न हो सकती है। इन राजनीतिक दलों के कार्यकताओं, निर्वाचन आयोग और समय समय पर निर्वाचन कार्यों में लगे अधिकारियों का आचरण संसदीय परम्परा अनुसार आदर्श आचरण वाला होना चाहिए। इनमें से कोई भी यदि निष्पक्ष नही है तो उसका व्यवहार लोकतंत्र का हनन करने वाला ही कहा जाएगा।

राजनीति में असंसदीय शब्दों के प्रयोग बढ़ें हैं। अमर्यादित आचरण हो रहा है। इस पर बहस होनी चाहिए। क्या राजनीति में सस्ती लोकप्रियता के लिए अपशब्द ही मार्ग है। विगत 01 अगस्त को लोकसभा, राज्यसभा दोनों सदनों में बिहार की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर गतिरोध हुआ था। विपक्षी दलों ने इस पर हंगामा किया था। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा था कि जनता ने आपको इतना बड़ा अवसर दिया है। सदन की गरिमा बनाए रखें। अध्यक्ष ने यह भी कहा था कि अगर लोकतंत्र मजबूत करना है तो सदस्यों को प्रश्न काल के दौरान ही प्रश्न उठाने देने होंगे। इससे सरकार की जवाबदेही तय होती है। देश के लोगों की आकांक्षाएं पूरी होने दें और देश को आगे बढ़ाने में अपना सहयोग दें। इसी मुद्दे पर राज्यसभा में भी हंगामा हुआ था।

उसी दिन लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा था कि निर्वाचन आयोग वोट चोरी से शामिल है। उनके पास पुख्ता सबूत हैं। इस पर निर्वाचन आयोग ने कहा था कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के लगाए वोट चोरी संबंधी आरोप निराधार हैं। आयोग ने कहा कि इन गैर जिम्मेदाराना टिप्पणियों को नजरअंदाज किया जाना चाहिए। इससे पूर्व 12 अगस्त को संसद से निर्वाचन आयोग तक प्रदर्शन के लिए निकले राहुल गांधी ने तब कहा था कि यह लड़ाई संविधान बचाने के लिए है। सही मतदाता सूची बने इसके लिए है। सत्ता पक्ष से भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता धर्मेंद्र प्रधान ने यह कहा था कि यह प्रदर्शन अस्थिरता पैदा करने वाला है। विपक्षी दल अराजकता पैदा करना चाहते हैं। राहुल गांधी का आरोप है कि निर्वाचन आयोग भाजपा के लिए वोट चोरी कर रहा है। इसमें जो भी शामिल है उसे बख्शा नहीं जाएगा। राहुल गांधी के यह आरोप तब आए जब निर्वाचन आयोग ने बिहार राज्य की मतदाता सूचियां के गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के बाद सूचियों का मसौदा प्रकाशित किया था। 17 अगस्त को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरुद्ध विपक्षी दलों के गठबंधन की मतदाता अधिकार यात्रा के बीच निर्वाचन आयोग ने अपने फैसले और प्रक्रिया को सही ठहराया था। विपक्ष के सभी आरोपों को खारिज भी किया था। यह भी कहा था कि राहुल गांधी को हलफनामा देना होगा या देश से माफी मांगनी होगी। तीसरा विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा था उनका उद्देश्य मतदाता सूचियां ठीक करना है।

वीरेंद्र कुमार पेन्यूली

हिमालयी पारिस्थितिकी के अनुकूल बनें विकास योजनाएं

बीते पांच अगस्त को हरसिल और गंगोत्री के बीच खीरगंगा नदी के जलग्रहण क्षेत्र में बादल फटने से अचानक आई तेज बाढ़ और भारी मलबे ने धराली में तबाही मचाई। इस आपदा ने दर्जनों मकान, होटल और दुकानें नष्ट कर दीं, कई लोग मृत और अनगिनत लोग लापता हो गए। हरसिल में भी बाढ़ के कारण ग्यारह जवान लापता हैं। सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और आईटीबीपी द्वारा बचाव कार्य जारी हैं। शीतकालीन पर्यटन से जुड़े इस क्षेत्र का मार्ग बाधित हो गया है। पारंपरिक नदी मार्गों में पत्थर, मिट्टी और मलबे के अवरोध से बाढ़ का प्रवाह दिशा बदल गया, जिससे त्रासदी और भी गंभीर हुई। उत्तरकाशी और गंगोत्री के बीच स्थित धराली क्षेत्र उत्तरकाशी के पर्यावरणीय संवेदनशील क्षेत्र में आता है। हाल ही में यमुनोत्री मार्ग पर स्याना चट्टी में बादल फटने से गंभीर हादसा भी हुआ। ऐसे नाजुक और सामरिक क्षेत्रों में खनन, सड़क निर्माण, जलाशय और सुरंग निर्माण तथा औद्योगिकीकरण के कार्यों में सरकारों और जनता को आत्म-नियंत्रण बरतना चाहिए। पर्यावरण हितैषी तकनीकें अपनानी जरूरी हैं। उत्तरकाशी जिले में लगातार विभिन्न आपदाओं का सामना करना पड़ता रहा है जैसे सिलक्यारा सुरंग दुर्घटना व भयावह उत्तरकाशी भूकंप। मनेरी भाली परियोजना के पास झीलें बनती रहीं और भटवाड़ी के धंसने की घटनाएं भी नई नहीं। भटवाड़ी ब्लॉक में ही धराली आता है।

गोमुख से लेकर उत्तरकाशी मुख्यालय और चिन्याली सौड़ तक का क्षेत्र बीते दो दशकों से लगातार आपदाओं से ग्रस्त है। यहां गंभीर भूस्खलन, बाढ़ें और तबाही बार-बार होती रही हैं। खासकर उत्तरकाशी में वरुणावर्त पहाड़ अपने भूस्खलनों से 2003 से लोगों को भयभीत कर रहा है। क्षेत्र के पहाड़ 1990 के तीव्र भूकंप से पहले से ही कमजोर हैं, जबकि 4 -4.5 तीव्रता के भूकंप नियमित आते रहते हैं। इस दौरान उत्तरकाशी और आसपास के पुल टूटते रहे हैं, जिससे कई गांव कई दिन तक अलग-थलग पड़ जाते हैं।

वर्ष 2010 से इस पूरे क्षेत्र में लगातार बादल फटने और फ्लैश फ्लड की घटनाएं हो रही हैं। चट्टानें गिरने से जान-माल का भारी नुकसान हो रहा है, गांव ध्वस्त हो रहे हैं और उन्हें पुनः बसाने की आवश्यकता सामान्य सी बात हो गई है। गंगोत्री और गोमुख का संकट व्यापक रूप से ज्ञात है, जबकि भटवाड़ी और अस्सी गंगा के क्षेत्र भी ऐसे ही संवेदनशील हैं, जहां पैदल चलना भी कठिन हो जाता है। निस्संदेह, यह क्षेत्र पर्यावरणीय दृष्टि से नाजुक है। 2017 में उत्तरकाशी जिला मुख्यालय में पंद्रह गांवों की प्रतिनिधि महिलाएं इसी इकोसेंसिटिव क्षेत्र में काटे जाने के लिए चिन्हित पेड़ बचाने के लिए संकल्पबद्ध हुई थीं। इस क्षेत्र में 1990 में हुए

भयावह विनाश के बाद कहा गया था कि अब सारे मकान, भवन आदि भूकंप-रोधी बनाए जाएंगे। सुरंगें नहीं बनाई जाएंगी। किन्तु आज भी आप सरकारी स्तर पर भूकंप-रोधी निर्माण या नदी तटों के समीप बसावटों को रोकने में गंभीरता शायद ही पाएंगे।महत्वाकांक्षी चारधाम परियोजना उत्तरकाशी इकोसेंसिटिव क्षेत्र से ही बनती है। प्रधानमंत्री ने साल 2016 में इसकी आधारशिला रखी। बिना पर्यावरण प्रभाव आकलन के इस सड़क पर काम शुरू किया गया था। तब एनजीटी में चुनौती दी गई थी। उच्चतम न्यायालय में भी मामला पहुंचा था । स्मरण रहे कि चारधाम राजमार्ग पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित हाई पॉवर कमेटी के चेयरमैन ने पर्यावरण मंत्रालय के सचिव को 13 अगस्त 2020 को एक पत्र लिखा था कि इस परियोजना में वन्यजीव व वानिकी के नियमों की बेहद गंभीर अवहेलना व उल्लंघन हुआ है। इन कृत्यों ने हिमालयी पारिस्थितिकी को बेतहाशा नुकसान पहुंचाया है। साल 2017-18 में इस परियोजना पर तब बिना वन विभाग की अनुमति के ही काम शुरू हुआ था। अनुमति काम शुरू होने के बाद पिछली तारीख से दी गई थी। इसी प्रकार अलग-अलग खंडों में बिना अनुमति पेड़ों व पहाड़ों का कटान व मलबे का जमावड़ा किया गया।एक संयुक्त पत्र में कुछ प्रमुख लोगों ने भी अगस्त 2020 में प्रधानमंत्री को लिखा था कि उत्तराखंड में बारहमासी चारधाम मार्ग के निर्माण के दौरान गंगा हिमालयी बेसिन को गंभीर पर्यावरणीय हानि हो रही है। उन्होंने अवैध तरीके से निर्माण के भी संकेत दिए थे। आज की इन दुर्भाग्यपूर्ण आपदाओं को इस परिप्रेक्ष्य में भी देखा जाना चाहिए। इस यथार्थ को अतिशीघ्र स्वीकार कर लिया जाना चाहिये कि गौमुख से उत्तरकाशी तक इकोसेंसिटिव क्षेत्र के नियमों का पालन करना ही होगा और पर्यावरण सम्मत विकास की दिशा में ही आगे बढ़ना होगा।भारत सरकार का दिसंबर 2012 का भागीरथी पारिस्थितिकी संवेदनशील अधिसूचना के गजट में भी कहा गया था कि क्षेत्र के विकास के लिए राज्य सरकार दो साल के भीतर जनता से विशेष रूप से महिलाओं के परामर्श से आंचलिक महायोजना बनाएगी, और इसका अनुमोदन पर्यावरण और वन मंत्रालय, केंद्र सरकार से कराएगी। किन्तु 2014 तक जोनल प्लान बनाने के लिए उसने महिलाओं या आमजन को साथ नहीं लिया।हर बार धराली जैसी आपदाओं के बाद संपादकीयों में में उत्तराखंड के संदर्भ में यह जरूर कहा जाता है कि राज्य में अनियोजित विकास, बेतहाशा पेड़ कटान व जनसंख्या दबावों से ये आपदाएं आ रही हैं, परंतु शायद ही मीडिया सरकारों को इकोलॉजी और इकोनॉमिक्स में संतुलन बनाने के दावों को लेकर चुनौती देता है।

आज का पाठ

व्यंग्य

पाक के झूठ की बिजली से सच्चाई को करंट

पाकिस्तान के नेताओं ने बताया कि पाकिस्तान ने भारत के पांच हवाई जहाज गिरा दिये। यह परम झूठ था।

झूठ से अगर बिजली बनाना संभव होता तो पाकिस्तान पूरी दुनिया को बिजली निर्यात करने की स्थिति में आ जाता। पाकिस्तान झूठ बोलता है, यह दुनियाभर के देश जानते हैं, पर इस लेवल का झूठ बोल सकता है पाकिस्तान, यह अभी पता लग रहा है।

पाकिस्तान के नेता और जनरल भी झूठ बोलते हुए झूठ को नये स्तर पर ले जाते हैं। झूठ अगर कला हो, तो पाकिस्तान दुनिया का सबसे बड़ा कलाकार देश है। बड़े अजीबोगरीब दिन हैं, पाकिस्तान खाने-पीने के पैसे इंटरनेशनल मानीटरी फंड से मांगता है, पर बम मिसाइल के पैसे खुद जुटा लेता है। वह दुनिया भर से यह कहकर भीख मांगता है कि अगर मदद नहीं मिली, तो उसके लोग भूख से मर जाएंगे। पैसे आते ही तो पाकिस्तान उस रकम को बम-बंदूक में लगा देता है। दुनिया का एकमात्र आतंकी जो भिखारी भी हो, वह सिर्फ पाकिस्तान ही है।

इंटरनेशनल मानीटरी फंड को पता है कि पाकिस्तान बम बंदूक में खर्च करता है फिर इंटरनेशनल मानीटरी फंड पाकिस्तान को कर्ज देता है। कर्ज क्यों देता है, क्योंकि आईएमएफ के हुक्मरान देशों को भी आतिशबाजी देखने में मजा आता है, चलती रहे आतिशबाजी कुछ देशों को देखने में मजा आता है। अमेरिका समेत तमाम देशों को लगता है कि भारत की जान को पाकिस्तान को लगाये रखो। पाकिस्तान को कुछ न कुछ देते रहो, ताकि भारत के लिए सिरदर्द बना रहे। अमेरिका पाकिस्तान का दोस्त है, अमेरिका भारत का भी दोस्त है। एक पाक शायर कतील शिफाई ने कहा था–

बड़ा मुंसिफ है अमेरिका उसे अल्लाह खुश रक्खे
ब-जोम-ए-ख़्वेश वो सब को बराबर प्यार देता है (ब-जोम यानी ताकत से, ख्वेश यानी अपने आप)
किसी को हमला करने के लिए देता है मीजाइल
किसी को इन से बचने के लिए रडार देता है।

अमेरिका पाक को आईएमएफ से कर्ज दिलवा देता है। फिर भारत से पूछता है कि अगर फाइटर हवाई जहाज खरीदने हों, तो खरीद लो हम दें देगे। अमेरिका भरपूर प्यार देता है। बदले में वह डालर ले लेता है।

पाक कह रहा है कि वह युद्ध जीत रहा है। उनकी इतिहास की किताबों में पाकिस्तान ने 1971 का युद्ध भी जीता है। पाकिस्तानी इतिहास की किताबों में पाकिस्तान ने हर युद्ध जीता है। सच्चाई में पाकिस्तान ने हर युद्ध हारा है।

कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

हर घर में नल द्वारा पानी पहुंचाना सुनिश्चित करें : कलेक्टर सिंह

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आज जल जीवन मिशन के कार्यों के प्रगति की समीक्षा की गई। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत सहित सभी संबंधित अधिकारी मौजूद थे। बैठक में विकासखंडवार एकल ग्राम नल-जल योजना की विस्तृत समीक्षा कर कलेक्टर ने निर्देश दिए कि निर्धारित लक्ष्य अनुसार कार्य को पूरा करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक घर में चालू स्थिति में नल कनेक्शन कराने का कार्य नियमित रूप से जारी रखें। इसके अलावा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जहां कहीं डेमेज कनेक्शन है या लीकेज है उसे ठीक कराएं। बैठक में प्रगतिरत समूह जल प्रदाय योजना के कार्यों की प्रगति की समीक्षा भी की गई। साथ ही अधिकारियों को लक्ष्य अनुसार कार्य करने के निर्देश दिए गए ताकि जल जीवन मिशन के उद्देश्यों को पूरा किया जा सके। जल जीवन मिशन के कार्य में आ रही बाधाओं को दूर करने क लिए अंतर्विभागीय समन्वय भी की गई, जिसमें पीडब्ल्यूडी, एमपीआरडीसी और फॉरेस्ट विभाग के अधिकारी भी मौजूद थे। बैठक में कहा गया कि जहां कहीं भी पाइपलाईन बिछाने में दिक्कत आ रही है वहां संबंधित अधिकारी से समन्वय करें और पाइपलाईन बिछायें और पाईपलाईन बिछाने के बाद पहले की भांति सड़कों का सुधार भी करें। बैठक में जल निगम व लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई और निर्देशित किया गया कि लक्ष्य अनुसार हर घर में नल द्वारा पानी पहुंचायें।

पमरे की हॉकी टीम अंतर रेलवे प्रतियोगिता हेतु रवाना

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

दक्षिण पूर्व रेलवे स्पोर्टस एसोसिएशन रांची, झारखण्ड, में आयोजित होने वाली 83 वी अखिल भारतीय अंतर रेलवे हॉकी प्रतियोगिता (पुरुष) का आयोजन दिनांक 18 फरवरी से 23 फरवरी तक किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता लीग कम नॉक आउट आधार पर खेली जाएगी। इसमें पश्चिम मध्य रेलवे हॉकी टीम भी भाग ले रही है। पमरे हॉकी टीम के कोच मेराजुद्दीन द्वारा पमरे हॉकी टीम को कड़ा अभ्यास कराया हैं। पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर की हॉकी टीम में सावन रामचन्द्रन, परमीत, अमित राजभर, रिंकू यादव, नवदीप सिंह, एस. प्रचापति, मोहित, अमित कुमार, मुबीन उर रहमान, आकाश पाल, मो. ताज, मो. नदीम, अमान उल्ला, मयंक जेम्स, मो. सादिक, मोहित, अमनदीप, सैय्यद इमरान अली एवं पमरे हॉकी टीम के कोच मेराजुद्दीन एवं मेनेजर मो. आरिफ है। पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर हॉकी टीम को जी. पी. शिव नारायण महासचिव, कमल कुमार तलरेजा मंडल रेल प्रबंधक, मधुर वर्मा, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, गुरनार सिंह, आरिफ अली, गजेन्द्र सिंह मेहरोलिया, हसन अली, गणेश श्रीवास्तव, सादिक खान, असद खान, रैना यादव, असद खान, असलम अली, नवीन तोमर आदि ने शुभकामनाएं दी है।

नगर निगम के वसूली अभियान: 9 करदाताओं के खिलाफ कुर्की की कार्रवाई

कछपुरा, अधारताल और रॉझी संभागों में बकाया करों की राशि जमा कराने चलाया गया कुर्की अभियान

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निदेर्शानुसार नगर निगम द्वारा संभागवार एवं वार्डवार वसूली अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत जिन करदाताओं के द्वारा बार-बार सूचना देने के बाद भी बकाया करों की राशि जमा नहीं की जा रही है, उन सभी करदाताओं के विरूद्ध कुर्की की कार्रवाई की जा रही है। कुर्क सम्पत्तियों को अवधि के उपरांत वैधानिक प्रक्रिया का पालन करते हुए नीलाम करने की कार्रवाई भी की जायेगी। संभागों से प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर निगम की राजस्व टीम ने संभाग स्तरीय सदस्यों के सहयोग से कछपुरा, अधारताल और रांझी संभागों में प्रभावी कार्यवाही की। जिसमें संभाग क्रमांक 02 कछपुरा अंतर्गत रानीदुर्गवती वार्ड सरदार जगत सिंग बकाया राशि 61 हजार 73 रुपए होने पर संभागीय अधिकारी राजस्व निरक्षक ऋषि कुशरे एवं शत्रुंजय आरख करसंग्रहता विनोद धुर्वे गिरीश कश्यप शैलेष कुमार सेन के द्वारा तालाबंदी की कार्यवाही की गई। संभाग क्रमांक 7 अधारताल के अंतर्गत नेताजी सुभाष चन्द्र बोस वार्ड में श्रीमती हमीदा बानो के भवन पर 31 हजार 3 सौ 92 रुपएं, शहीद अब्दुल हमीद वार्ड अंतर्गत सुनील विश्वकर्मा के भवन पर 73 हजार 1 सौ 22, दीवान आधार सिंह वार्ड के अंतर्गत किरण विश्वकर्मा, ईशांत विश्वकर्मा के भवन पर 63 हजार 7 सौ 75 रुपए बकाया होने पर कुर्की की कार्यवाही हेतु नोटिस चस्पा किया गया। कार्यवाही के दौरान संभागीय अधिकारी सुरेन्द्र मिश्रा, राजस्व निरीक्षक प्रमोद श्रीवास्तव, रमेश पनिका, प्रदीप विश्वकर्मा, मनीष शर्मा, रामसजीवन विश्वकर्मा, सुरेश कुशवाहा, राजकिशोर चैबे आदि उपस्थित रहे। संभाग 10 रांझी अंबेडकर वार्ड में करदाता कामना मुखिया की सम्पत्ति पर राशि 41 हजार 5 सौ 15 रुपये एवं कमलजीत लांबा पर राशि 52 हजार 2 सौ 87 रुपए तथा चंद्रशेखर आजाद वार्ड में करदाता जसवंत सिंह पर राशि 54 हजार 8 सौ 94 रुपए, कमलेश दुआ सुनील दुआ पर राशि 56 हजार 5 सौ 40 रुपए तथा मंजीत सिंह पर राशि 66 हजार 4 सौ 29 रुपए बकाया होने पर 3 दिवस की अंतिम सूचना पोस्टर चस्पा किया गया एवं इसके पश्चात कुर्की एवं नल कटिंग की कार्यवाही की जाएगी इस हेतु सचेत किया गया।

विचारों की सुंदरता से बनता है जीवन सुखमय- जगतगुरु नरसिंह देवाचार्य

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

प्रसन्न रहना ही जीवन का सौंदर्य है। चित्त की मलिनता में चेहरे का सौंदर्य कोई मायने नहीं रखता। सुखमय जीवन के लिए चेहरा सुन्दर हो अथवा न हो लेकिन हृदय में प्रसन्नता अवश्य होनी चाहिए। महत्वपूर्ण यह नहीं कि हम कितने सुंदर हैं अपितु महत्वपूर्ण यह है कि हम कितने खुश हैं। खुशमिजाज व्यक्ति सकारात्मकता का भी पर्याय है। व्यक्ति की सोच जितनी सकारात्मक होगी उसका मन उतना ही प्रसन्न रहेगा। श्रीमद् भागवत महापुराण, वेदों, गीता के सुविचारों की महक से ही पुष्प की भांति जीवन प्रसन्न एवं सौंदर्यपूर्ण बनता है। उक्त उद्गार श्रीमद् भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ के तृतीय दिवस श्रीराम मंदिर खैरी शहपुरा भिटौनी में पूज्य श्रीमद जगदगुरू नृसिंह पीठाधीश्वर डॉ स्वामी नृसिंह देवाचार्य महाराज ने व्यास पीठ से कहे। व्यास पीठ पूजन मुख्य यजमान सुभाष सिंह गौर व कृपाल सिंह गौर, राजेश सिंह गौर, कृष्णपाल सिंह गोर . जयपाल सिंह गौर, अनूपाल सिंह गौर, शैलेन्द्र सिंह गौर, रोहित सिंह गीर अजय सिंह गौर, डा. दीपक सिंह गौर, विक्रम सिंह गौर, आदित्य सिंह गौर अभिराज सिंह गौर, युवराज सिंह गौर अमित टेहगुनिया, राधवेंद्र शुक्ल एवं आचार्य रामफल शास्त्री की उपस्थिति रही।

प्रभु येशु की याद में 40 दिनों का उपवास शुरू

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

ईसाई समुदाय द्वारा प्रभु येशु की याद में 40 दिनों के उपवास प्रारंभ हो गये। ईसाई समुदाय 40 दिन पवित्र दुखभोग को बड़ी ही भक्ति भावना के साथ मनाएगी। साथ ही जबलपुर के समस्त गिरजाघरों में आज से विशेष प्रार्थना सभाओं का आयोजन होगा। मंगलवार

को सदर स्थित सेन्ट पीटर एंड पॉल चर्च मैं पवित्र मिस्सा बलिदान चढ़ाया गया जिसमें जबलपुर धर्मप्रांत प्रमुख डॉ वल्लन आरसु ने मिस्सा अर्पित किया, अपने उपदेश उन्होंने कहा की मैं कहा की मानव शरीर मिट्टी का बना है और एक दिन मिट्टी मैं मिल जायेगा इसलिए हमें सांसारिक दिखावे से दूर रह कर प्रभु की भक्ति मैं उनके बताए मार्ग पर चलना चाहिए। जैसा आप कर्म करोगे वैसा ही फल आपको मिलेगा, मिस्सा के दौरान उन्होंने पवित्र राख के लेप को सभी के माथे लगाया, पवित्र मिस्सा मैं पल्ली पुरोहित डॉ फादर डेविस जोर्ज, सह पल्ली पुरोहित जोनास मरकाम उपस्थित रहे।

रैली निकालकर दिया स्वच्छता का संदेश

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

शासकीय कन्या महाविद्यालय राँझी द्वारा ग्राम पंचायत धाना में लगाए गए सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन में प्रभात फेरी, व्यायाम, योगा, स्वच्छता रैली निकाली गई, जिसमें ग्राम पंचायत घाना में आंगनबाड़ी के कार्यक्रताओं ने स्वच्छता के कार्य में सहभागिता प्रदर्शित किया। सेवानिवृत्ति प्रोफेसर डॉ जरीना जॉन ने स्वयं सेवक छात्राओं को बौधिक चर्चा में एनएसएस के उदेश्य , गीत , और राष्ट्रीय सेवा योजना की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में प्रकाश डाला। कार्यक्रम में एनएसएस की प्रभारी डॉ माधुरी सिंह ने कार्यक्रम का संचालन और अभार वयक्त किया। कार्यक्रम में गायत्री केशरवानी, हर्षिता वंशकार, मुस्कान कोल, कविता, कुशवाहा स्वयं सेवकों का विशेष योगदान रहा है

ईसाई महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव का स्वागत

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

इसाई महासंघ के राष्ट्रीय प्रशासक राजन नायर द्वारा कोर कमेटी की सहमति से अतुल जोसफ को राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किए जाने पर अल्पसंख्यक कांग्रेस परिवार की ओर से स्वागत किया गया। श्री जोसफ का स्वागत अल्पसंख्यक कांग्रेस नेता सरदार दलवीर सिंह जस्सल, सुमन कुमार जैन, बलविंदर मान, हाजी मुईन खान, एडवोकेट अयाज खान, फैजान कुरैशी, एडवोकेट आसिफ मंसूरी, शाकिर कुरैशी, हूर बी, कहकशां अंजुम, राजकुमार जैन मामाजी, संजय जैन किपी, संजय जैन प्रभु, अमित जैन युवा, डॉक्टर चंद्रेश जैन, डॉक्टर महेंद्र जैन, राजेंद्र जैन बंधु, नेक राम पटेल, निर्मल चंद जैन, मार्को बाबा, जितेंद्र यादव, अशोक यादव, सचिन जैन, अनिल गुप्ता, श्याम सोलंकी, नरेश साहू, सुभाष पटेल, हाजी हामिद खान, मोहम्मद असलम, डॉक्टर अलीम मंसूरी, मकसूद मंसूरी, अब्दुल रहमान मलिक, अभिमन्यु शर्मा, दिलावर खान, रिंकू कुशवाहा, सुखेंद्र सिंह लोधी, अनुराग शुक्ला, ऐश्वर्य ठाकुर, सफी खान, युग लोधी, अरविंद पंडा, सौरभ विश्वकर्मा आदि ने स्वागत कर शुभकामनाएं दी।

22 को नृसिंह मन्दिर में विशाल नि:शुल्क नेत्र शिविर

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

साकेतवासी परमपूज्य नृसिंहपीठाधीश्वर महंत रामचन्द्रदास शास्त्री की पुण्य स्मृति में 2005 से प्रारम्भ विशाल निःशुल्क नेत्र जांच एवं नेत्र प्रत्यारोपण शिविर इस 22वें वर्ष भी आगामी 22 फरवरी को प्रातः 9 से 2 बजे तक श्रीमद् जगतगुरु डॉ स्वामी श्यामदेवाचार्य महाराज की सूक्ष्म उपस्थिति में नृसिंह मन्दिर में नृसिंह भगवान के परम सेवक अमेरिका निवासी ठाकुर हरकेश सिंह के सौजन्य से श्रीमद् जगतगुरु डॉ स्वामी नृसिंह देवाचार्य महाराज के संरक्षण और सानिध्य में होगा। जिसमें जनज्योति नेत्र चिकित्सालय के संचालक डॉ पवन स्थापक व उनकी टीम नेत्र जांच एवं प्रत्यारोपण की सेवा करेंगे। जिसमें सभी जांच के बाद ऑपरेशन के योग्य मरीजों का कैटरेक्ट का ऑपरेशन निःशुल्क किया जाएगा, साथ दावा, चश्मा भोजन प्रसाद आदि की सेवा की जाएगी। नेत्र रोगियों से निःशुल्क नेत्र शिविर का लाभ लेने का अनुरोध श्री सनातन धर्म महासभा नृसिंह मन्दिर गीताधाम परिवार ने किया है।

छत्तीसगढ़ एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन की एजीएम संपन्न : डॉ. राकेश मिश्र

ओपन अंडर : 23 पुरुष एवं महिला बॉक्सिंग चैंपियनशिप 16 से 20 मार्च तक बिलासपुर में

बिलासपुर। डॉ. राकेश मिश्र, राष्ट्रीय अध्यक्ष इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन के मार्गदर्शन में ह्लबिलासा बाई केवटिन ट्रॉफी 2026ह्व ओपन अंडरः 23 पुरुष एवं महिला बॉक्सिंग चैंपियनशिप को लेकर मंगलवार को बिलासपुर में विशेष सभा एवं आयोजन समिति की बैठक सम्पन्न हुई। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता 16 से 20 मार्च 2026 तक बिलासपुर में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता के माध्यम से भारतीय अंडर-23 पुरुष एवं महिला टीम का चयन किया जाएगा। चयनित खिलाड़ी जकार्ता, (इंडोनेशिया) में 05 से 20 अप्रैल 2026 तक होने वाली एशियन अंडर-23 पुरुष/महिला बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन की विशेष वार्षिक साधारण सभा एवं आयोजन समिति की महत्वपूर्ण बैठक 17 फरवरी को बिलासपुर में सम्पन्न हुई। बैठक में इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन के महासचिव राकेश ठाकरान मुख्य अतिथि एवं ऑब्जर्वर के रूप में उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ में अपार संभावनाएं : बैठक में सर्वसम्मति से छत्तीसगढ़ एमेच्योर बॉक्सिंग संघ के महासचिव हितेश कुमार तिवारी को पुनः महासचिव पद का दायित्व सौंपा गया। उपस्थित सदस्यों ने उनके नेतृत्व एवं संगठनात्मक कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। महासचिव श्री ठाकरान ने अपने कहा कि छत्तीसगढ़ में बॉक्सिंग की अपार संभावनाएं हैं तथा इस प्रकार के राष्ट्रीय आयोजनों से खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय मंच प्राप्त होगा। उन्होंने आयोजन समिति को पारदर्शिता, अनुशासन एवं उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के साथ प्रतियोगिता संपन्न कराने की ज़िम्मेदारी सौंपी।

विभिन्न समितियों का गठन : बैठक के दौरान प्रतियोगिता की तैयारियों, विभिन्न समितियों के गठन, आवास, तकनीकी व्यवस्था एवं सुरक्षा प्रबंधन पर विस्तृत चर्चा की गई। छत्तीसगढ़ एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन ने विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन राज्य के खेल इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सिद्ध होगा।

यह रहे उपस्थित : इस अवसर पर सुधीर कुमार सिंह, देवेश कुमार, योगेश रजक, ऋषभ महंत, हरीश यादव, वासु यादव, संजू पांडे, विशाल निर्मलकर, गुलशन विश्वकर्मा, कमल ठाकुर, मोना बोडखे, अरित, अनंत, सरिता सोनी, सीमा भिवगाड़े, सीता मौर्य, ज्योति सिंह, किरण शराब, अर्चित सिंह, शुभम सोनवानी, औलाद सिंह, इंद्रदत्त, आकाश कुमार सिंह, नवीन रासन, वीरेंद्र कनाथ, आर्यन गढ़वाल, उमेश केनार्थ, अंशु के नाथ, मेडी यादव, सतीश यादव, कुवैत डसेन, मनीष साहू, आकाश वास्तुकार, प्रियांशु वस्त्रकर, अविनाश यादव, अभिषेक मिश्रा, रवि कुमार, संजू ध्रुव, आशु निषाद, चिंटू साहू, विक्की दास, हरीश प्रजापति, धीरज साहू, किशन, राहुल रजक, अमन, अमन निषाद, साहिल रहरे एवं भूपेंद्र मोहन सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

राष्ट्रभाव, ग्रामोदय और सांस्कृतिक चेतना का विराट संगम

भारत रत्न नाना जी देशमुख की स्मृति में 25 को निकलेगी ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा

चित्रकूट। 25 फरवरी 2026 को राष्ट्रनिर्माण और ग्रामोदय के पुरोधा नाना जी देशमुख की पुण्य स्मृति में एक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक आयोजन का पोस्टर विमोचन दीन दयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन एवं संस्थान के कोषाध्यक्ष बसंत पंडित द्वारा आरोग्यधाम परिसर में यात्रा समिति के सदस्यों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के सयोंजक ओमराज तिवारी नें बताया की यात्रा का शुभारंभ महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय से होगा और यह पावन भरत घाट पर जाकर संपन्न होगी। पूरे मार्ग में राष्ट्रभक्ति का उत्साह देखते ही बनेगा। हाथी-घोड़े, गाजे-बाजे और पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ निकाली जाने वाली इस यात्रा में प्रभु श्रीराम एवं भारत माता की भव्य झांकियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। साथ ही 1000 फीट लंबा राष्ट्रीय ध्वज यात्रा की गरिमा को और ऊंचाई प्रदान करेगा। आयोजकों के अनुसार यह यात्रा केवल श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि नानाजी के ग्राम स्वावलंबन, सामाजिक समरसता और राष्ट्रसेवा के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प है। चित्रकूट की पुण्यभूमि एक बार फिर राष्ट्रभाव से ओतप्रोत दिखाई देगी। विमोचन में बजरंगदल के दुर्गेश त्रिपाठी, देवांश पांडेय के साथ समिति सदस्य दुर्गेश मिश्रा, वरुण बघेल, मनीष त्रिपाठी, बुधविलास, अमन, आदित्य, ध्रुव, अवनीश उपस्थित रहें..!

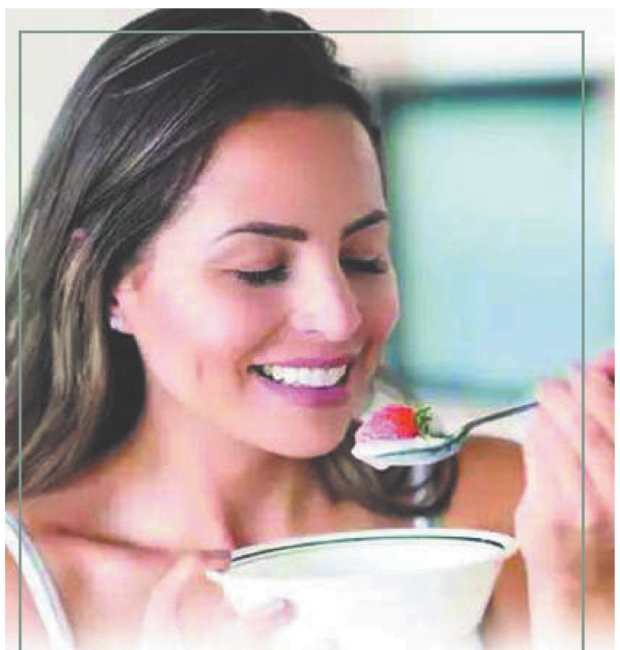

कितना सही है नाश्ते में दही लेना

नाश्ते में हम सभी कुछ ऐसा खाना पसंद करते हैं, जो खाने में टेस्टी हो और हमारे शरीर को पूरा दिन काम करने की एनर्जी देता रहे। ऐसे में ज्यादातर लोग किसी ना किसी रूप में नाश्ते में दही खाना पसंद करते हैं। लेकिन क्या नाश्ते में दही लेना एक स्वस्थ विकल्प है?

पाचक होती है लेकिन नींद दिलाती है

- यदि आपके दिन शुरुआत ही दही के साथ हो रही है तो यह आपको एनर्जी देने के स्थान पर नींद दिला सकती है और शरीर में सुस्ती बढ़ा सकती है। इसलिए दही कभी भी आपके फर्स्ट फूड का भाग नहीं होना चाहिए। हालांकि दही नाश्ते का एक शानदार हिस्सा है। यदि आप इसे खाते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखते हैं तब.

समझे विरोधी बातों का अर्थ

- एक तरफ तो हम कह रहे हैं कि दही नाश्ते में खाना अच्छा है। वहीं दूसरी तरफ यह भी कह रहे हैं कि इसे खाने से सुस्ती बढ़ सकती है। दरअसल, ये दोनों ही बातें सही हैं। दही खाने पर आपको एनर्जी मिलेगी या सुस्ती आएगी, यह इस बात पर निर्भर करता है कि दही खाने का आपका तरीका क्या है।

इस तरह खाएं और इस तरह ना खाएं दही

- आप नाश्ते में चपाती, पराठा, चिल्ला आदि के साथ दही खा सकते हैं। एक कटोरी दही का सेवन नाश्ते में करना शरीर के लाभकारी होता है और पाचनतंत्र को सही करता है। साथ ही शरीर को दिनभर के लिए ऊर्जा देने में लाभकारी होता है।
- लेकिन नाश्ते में दही का सेवन तभी करना चाहिए जब आप सुबह के समय नाश्ते से पहले कुछ खा या पी चुके हों। जैसे, सुबह की शुरुआत आपने पानी के साथ की हो और फिर चाय-टोस्ट, स्प्राउट्स या ड्राईफ्रूट्स आदि खाए हों। इसके एक घंटे बाद यदि आप नाश्ते में दही का सेवन करते हैं तो आपको नींद नहीं आएगी। आपको गैस बनने की समस्या है तो इन 5 सब्जियों से बचना चाहिए

खाली पेट नहीं खानी चाहिए दही

- सुबह के समय आप नाश्ते में केवल मीठी दही का उपयोग कर सकते हैं। खट्टी दही खाने से परहेज करें। साथ ही नाश्ते में दही खाते समय आप इसमें एक चम्मच शक्कर मिला सकते हैं। यदि आपको शुगर की समस्या नहीं है तब।
- दिन की शुरुआत यदि किसी भी कारण देरी से हुई हो और आपके पास नाश्ता करने का समय ना हो तो भूलकर भी खाली दही ना खाएं। यदि आप खाली पेट दही खाते हैं तो आपको जबदस्त नींद आएगी और आप खुद को बहुत थका हुआ अनुभव करेंगे।
- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि खाली पेट दही खाने से कुछ लोगों को ब्लड प्रेशर कम होने की समस्या हो जाती है। इससे शरीर में ब्लड का फ्लो कम होता है और ऑक्सीजन का स्तर घटने लगता है। यही कारण है कि बहुत तेज नींद आती है और बेहोशी जैसा अनुभव होता है।

आप चाहे मानसिक काम अधिक करते हैं या शारीरिक काम। यदि आपको काम करते समय बहुत जल्दी थकान होने लगती है तो इसका एक अर्थ यह होता है कि आपके शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या है। जी हां, केवल पोषण की कमी के कारण ही नहीं बल्कि शरीर में पानी की कमी के कारण भी जल्दी थकान होती है। जो लोग नियमित रूप से जरूरी पानी नहीं पीते हैं, उन्हें काम करते समय अधिक थकान होना और अन्य लोगों की तुलना में जल्दी थकान होने जैसी समस्याएं होती हैं। जानें, जल्दी थकान होने के अन्य कारण और उनके निवारण के तरीके

लगातार बनी रहती है थकान तो ऐसे रखें अपना ध्यान

जल्दी थकने की वजह

- आमतौर पर जो लोग बहुत जल्दी थकान होने की समस्या से पीड़ित होते हैं, उनके शरीर में कुछ खास तत्वों की कमी देखने को मिलती है.
- पानी की कमी
- खून की कमी
- विटमिन-बी12 की कमी
- फोलेट या फॉलिक एसिड की कमी देखने को मिलती है।

जल्दी थकान से बचने के तरीकों में ना केवल अपने खान-पान पर ध्यान देना है बल्कि यह भी ध्यान देना है कि जिस डायट का सेवन आप कर रहे हैं और जिन ड्रिंक्स को आप ले रहे हैं, क्या वे आपके शरीर की जरूरतों को पूरा कर रही हैं। यहां जानें कैसे रखा जाएगा इस बात का ध्यान.

तरल पदार्थों का सेवन

- जल्दी-जल्दी होने वाली थकान की समस्या से बचने के लिए जरूरी है कि आप तरल पदार्थों का सेवन बढ़ा दें। इनमें जूस, सूप, छांछ, दाल इत्यादि शामिल हैं। इसके साथ ही समय-समय सादा पानी पीते रहें। वयस्कों को हर दिन कम से कम 8 गिलास पानी पीना चाहिए।

तनाव को नियंत्रित करना सीखें

- जल्दी थकने की एक बड़ी वजह लगातार बना रहनेवाला तनाव भी होता है। तनाव का कारण चाहे जो भी लेकिन यह व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से जल्द थका देता है। इसलिए तनाव से बचने के लिए हर दिन कुछ समय के लिए मेडिटेशन यानी ध्यान जरूर करें। यह आपको मानसिक रूप से फिट रखने का काम करेगा।

फलियों का सेवन करें

- हरी फलियां कई तरह की वरायटी में आती हैं। खास बात यह है कि मौसम की प्रकृति और उस दौरान शरीर की जरूरत के अनुसार हर सीजन में आनेवाली फलियां पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं।
- हरी फलियां फाइबर युक्त होती हैं और इनका पाचन धीमी गति से होता है। इसलिए ये शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देने का काम करती हैं, जिससे शरीर पर थकान कम हावी होती है।

ड्राईफ्रूट्स

- ऐसा नहीं है कि ड्राईफ्रूट्स का सेवन केवल सर्दियों में ही करना चाहिए। बल्कि सीमित मात्रा में और दूध के साथ ड्राईफ्रूट्स का सेवन गर्मियों में भी हर दिन किया जा सकता है।
- क्योंकि ड्राईफ्रूट्स केवल हमारे शरीर को गर्माहट देने का ही काम नहीं करते हैं बल्कि पोषण देने का काम भी करते हैं। शरीर की कमजोरी को दूर करने में मीट भी अच्छी भूमिका निभाता है। लेकिन कोरोना संक्रमण के दौर में हम आपको मीट खाने की सलाह नहीं देना चाहते हैं। इस समय में आप थकान से बचने के लिए ड्राईफ्रूट्स यानी सूखे मेवों का सेवन कर सकते हैं।

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण

शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाना कई रोगों का कारण बनता है। ऑक्सीजन का स्तर कम होने पर सबसे जल्दी और सबसे बुरा असर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। इस स्थिति में कोई भी वायरस और बैक्टीरिया हमारे शरीर पर हावी हो सकता है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण क्या होते हैं.

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने से अर्थ है कि शरीर को अपनी नियमित क्रियाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए जितनी मात्रा में ऑक्सीजन चाहिए, उतनी मात्रा में ऑक्सीजन ना मिल पाना।
- जब शरीर में ऑक्सीजन की कमी होती है तो सबसे पहले व्यक्ति को थकान महसूस होती है, सांस लेने में दिक्कत होने लगती या सांस फूलने लगता है। इसके बाद शरीर में रक्त के प्रवाह की गति धीमी हो जाती है। इससे थकान और घबराहट बढ़ जाती है।

हो सकती हैं ये बीमारियां

- यदि शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बहुत कम हो जाए तो ब्रेन डैमेज और हार्ट अटैक तक की स्थिति बन जाती है। शुगर के रोगियों में यदि ऑक्सीजन की कमी हो जाए तो उनकी शुगर अचानक बहुत अधिक बढ़ सकती है, जो कि एक जानलेवा स्थिति भी बन सकती है।
- ऑक्सीजन का स्तर अचानक से बहुत अधिक घट जाने पर शरीर में थायरॉइड हॉर्मोन का संतुलन गड़बड़ा जाता है। इस स्थिति में थायरॉइड का स्तर या तो बहुत अधिक बढ़ सकता है या बहुत अधिक घट सकता है।

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कारण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कई कारण होते हैं, जो व्यक्ति की लाइफस्टाइल पर निर्भर करते हैं। जो लोग बहुत अधिक आलस से भरपूर जीवनशैली जीते हैं यानी फिजिकल ऐक्टिविटी नहीं करते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो जाती है।
- जो लोग बहुत अधिक शारीरिक श्रम करते हैं लेकिन उसके हिसाब से डायट नहीं लेते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है।
- जिन लोगों के भोजन में आयरन की मात्रा कम होती है अगर वे लंबे समय तक इसी तरह का भोजन लेते रहें तो उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है। क्योंकि फेफड़ों सहित पूरे शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह करने में आयरन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

चैन की नींद सोना है तो जरूर करें यह काम

अगर आप चाहते हैं कि रात में आपको सुकून की नींद आए, पैरों में कुलन और बेचैनी के कारण आपकी नींद में किसी तरह की बाधा ना आए तो आपको सोने से पहले एक खास काम करना होगा। यह काम आपके शरीर को राहत देने के साथ ही दिमाग को भी शांति देगा। आइए, जानते हैं कि आखिर क्या और कैसे करना है.

आपको क्या करना है?

- बिस्तर पर जाने से पहले आपको अपने पैर साफ पानी से धुलकर कॉटन के कपड़े से पोछकर साफ करने हैं। इसके बाद सरसों के तेल से अपने पैरों की मालिश करें। यह मालिश 2 से 3 मिनट की भी हो तो काफी है। यहां जानें इस तरह हर दिन मालिश करने से आपको किस तरह के लाभ होंगे.

पैर के तलुए में होते हैं सभी एक्युप्रेशर पॉइंट्स

- हमारे पैर के तलुओं में पूरे शरीर के एक्यूप्रेशर पॉइंट्स होते हैं। पैर के तलुओं पर मसाज करने से इन पॉइंट्स पर दबाव पड़ता है, जिससे शरीर का तनाव कम होता है और मानसिक शांति बढ़ती है। इसलिए आप अच्छी नींद आती है।

ताउम्र रहेंगे युवा

- अगर आप हर दिन सोने से पहले अपने पैर के तलुओं पर सरसों के तेल से मालिश करेंगे तो आप ताउम्र युवा बने रहेंगे। यहां युवा बने रहने से हमारा आशय है कि आपके दांत, आपकी दृष्टि और आपके शरीर के जोड़ों में किसी तरह का दर्द या समस्या नहीं हो पाएगी।

चश्मा नहीं लगेगा

- यदि आप सोने से पहले हर दिन अपने पैरों पर सरसों तेल से मालिश करते हैं तो आप अपनी कमजोर आइसाइट को भी ठीक कर सकते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि आपको एक या दो हफ्ते में ही इसका असर देखने को मिल जाएगा।

पाचन को ठीक रखे

- आपको जानकर थोड़ी हैरानी हो सकती है। लेकिन यह सही है कि जो लोग नियमित रूप से अपने पैर के तलुओं पर मालिश करते हैं या किसी और से कराते हैं, उनका पाचनतंत्र अन्य लोगों की तुलना में काफी ठीक रहता है। साथ ही उन्हें पेट संबंधी रोग नहीं घेरते हैं।
- साथ ही ऐसे लोगों के शरीर पर थकान हावी नहीं हो पाती है। पैर के तलुओं की मसाज करने से शरीर के डैमेज सेल यानी क्षतिग्रस्त कोशिकाओं की जल्द मरम्मत होती है। इससे त्वचा भी चमकदार बनी रहती है। तो देर किस बात की, खूबसूरती और सेहत के लिए आज से ही शुरू करें पैर के तलुओं की मालिश।

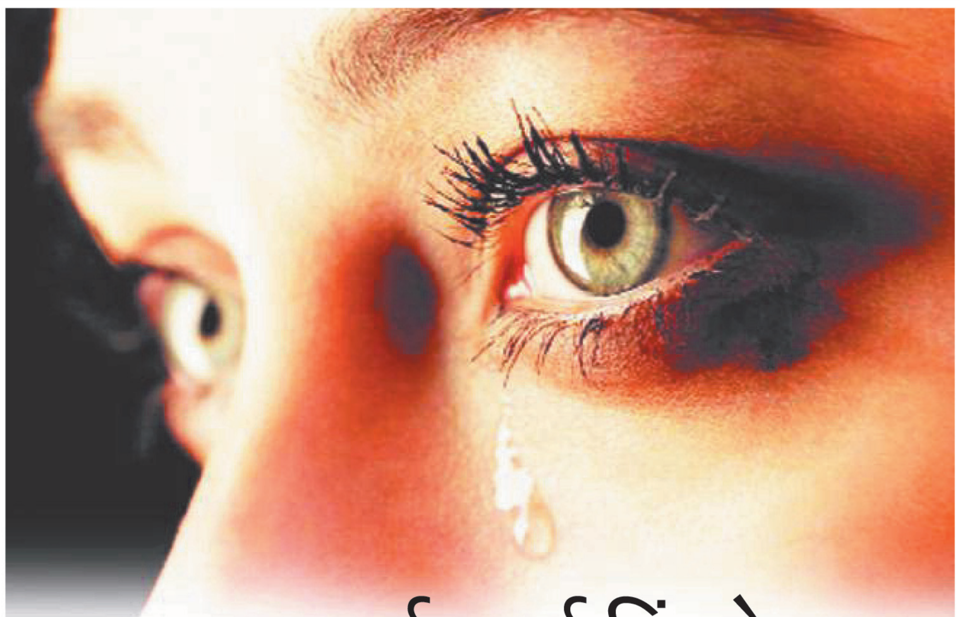

ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत हो सकता है आंखों में पानी आना

आंखे शरीर का सबसे जरूरी, सुंदर और नाजुक अंग है। सर्दी के मौसम में नमी और ठंडक के कारण आंखों में पानी आ जाता है लेकिन यह ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत भी हो सकता है। इस बीमारी में आंखों से बहुत ज्यादा पानी आना, धुंधला दिखाई देना और चुभन महसूस होना, सूजन, रैशेज, लालपन जैसे लक्षण दिखाई देते है। इस बीमारी का समय पर इलाज न करने पर आंखों की रोशनी जा भी सकती है। ऐसे में इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप डॉक्टर की दवाइ के साथ-साथ कुछ घरेलू उपाय भी कर सकते हैं। इन घरेलू नुस्खों की मदद से आप बिना किसी नुकसान के इस परेशानी से छुटकारा पा सकते है।

गीला कपड़ा - आंखों को हाथों से इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। आंखों में जलन, दर्द या खुजली होने पर साफ पानी में कपड़े को भिगोकर आंखों की सफाई करें। इससे किसी भी तरह की बीमारी का खतरा कम हो जाता है।

नारियल का तेल - नारियल तेल में मौजूद गुण आखों की गंदगी को साफ करते हैं। रोजाना आंखों के नीचे और आस-पास नारियल के तेल की मालिश करें। आपको इस समस्या से निजात मिल जाएगा।

हर्बल टी - कोमोमाइल या पेपरमिंट चाय की पत्तियों को थोड़ी देर गर्म पानी में भिगो दें। इसके बाद थोड़ी-थोड़ी देर में आंखों की सिकाई करें। ध्यान रहें कि पानी ज्यादा गर्म न हो।

नमक - कई बार आंखो में जलन और खुजली के कारण पानी आने लगता है। ऐसे में आप 1 गिलास गर्म पानी में चुटकीभर नमक डालकर आंखों की सिकांई करें। दिन में 3 बार इसका इस्तेमाल खुजली और जलन की परेशानी को दूर कर देगा।

बेकिंग सोडा - साफ पानी में 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर गर्म करें। पानी थोड़ा रह जाने पर इससे अपनी आंखों को धो लें। इससे आपको आराम मिल जाएगा।

ठंडा दूध - कॉटन बॉल को ठंडे दूध में डिप करके अपनी आंखों के आस-पास रगड़ें। इसके अलावा आप कॉटन बॉल को ठंडे दूध में भिगोकर रख भी सकते है। इन उपायों को सुबह-शाम करने से आपको आराम मिल जाएगा।

एलोवेरा - एलोवेरा जेल में 1 चम्मच शहद और 1/2 कप एल्डरबैरी चाय मिलाएं। रोजाना दिन में 2 बार इस मिश्रण से अपनी आंखों को धोएं। आपकी परेशानी कुछ समय में ही दूर हो जाएगी।

कच्चा आलू - एस्ट्रिंजेंट के गुणों से भरपूर कच्चा आलू आंखों में पानी आने की समस्या से जल्दी राहत देता है। आलू की पतली स्लाइस काट कर कुछ देर फ्रिज में रखें। इसके बाद इस ठँडी स्लाइस को 15 से 20 मिनट के लिए आंखों के उपर रख लें। 2-3 दिन तक इसका इस्तेमाल आपकी इस समस्या को दूर कर देगा।

अनिल कपूर को मिला था असल नायक बनने का मौका

क्यों अंतरराष्ट्रीय स्तर का पद ठुकराया?

अनिल कपूर की फिल्म 'नायक' साल 2001 में रिलीज हुई। फिल्म की कहानी को दर्शकों ने काफी सराहा था। फिल्म में अनिल कपूर एक पत्रकार की भूमिका में थे, जिसे एक दिन का मुख्यमंत्री बनने का मौका मिलता है। वह एक दिन में ही राजनीति की दुनिया को बदलकर रख देता है। असल जिंदगी में भी अनिल कपूर को एक खास पद पर काम करने का मौका मिला था, जिसे उन्होंने स्वीकार नहीं किया। जानिए, क्यों?

यूएन का ऑफर क्यों ठुकराया?

अनिल कपूर कहते हैं, 'जब मुझे डैनी बॉयल की फिल्म 'स्लमडॉग मिलियनेयर (2008)' के कारण इंटरनेशनल लेवल पर पॉपुलैरिटी मिली तो यूएन की तरफ से एक सिंबॉलिक पोजिशन पर काम करने का ऑफर आया। लेकिन मैं इसे एक फोटो खींचवाने वाली जॉब की तरह नहीं करना चाहता था। मैं नहीं चाहता था कि लोग चार फोटो लें और मैं कुछ काम ना करूं। वैसे भी मेरी इतनी सारी प्रायोरिटीज हैं कि मुझे नहीं लगता कि यूएन वाला काम कर पाता। मैं बिना दिखावा किए सिर्फ वही काम करता हूं, जो मैं कर सकता हूं। मुझसे कहीं बेहतर लोग हैं जो राज्यसभा और लोकसभा में होने के लायक हैं।'

ओटीटी पर आएगी अनिल की फिल्म 'सूबेदार'

हाल ही में अनिल कपूर की फिल्म 'सूबेदार' का टीजर रिलीज हुआ। यह 5 मार्च को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। फिल्म की कास्ट और कहानी के बारे में अभी तक ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल फैंस अनिल कपूर को नए अवतार में देखने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

अक्षय ने बताई अपनी सबसे बड़ी गलती

आज तक होता है पछतावा, बोले- लगा था करियर खत्म

अक्षय कुमार ने हाल ही में खुलासा किया है कि उन्होंने एक हाई-प्रोफाइल पार्टी में एक शख्स को जोरदार थप्पड़ जड़ दिया था। यह मामला इतना बिगड़ गया था कि वह शख्स बेहोश हो गया और अक्षय को डर लगने लगा था कि कहीं उनका करियर यहीं खत्म न हो जाए। अक्षय कुमार ने इस किस्से का जिक्र 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' के एक स्पेशल एपिसोड के दौरान किया, जहां उनके साथ 'शार्क टैंक इंडिया' के जज अमन गुप्ता, अनुपम मित्तल और नमिता थापर भी मौजूद थे।

जब अमन गुप्ता ने उनसे उनकी लाइफ के 'गजब बेइज्जती' वाले पल के बारे में पूछा, तब अक्षय ने यह पुरानी याद शेयर की। अक्षय ने बताया कि वह अपने एक करीबी दोस्त के साथ एक पार्टी में गए थे, जहां एक अनजान शख्स ने उनके दोस्त को गंदी गालियां देनी शुरू कर दी थीं। अक्षय कुमार ने बताया, 'उसने मेरे दोस्त को एक बार गाली दी, मैंने उसे मना किया। उसने दोबारा वही किया। मैंने उसे चार-पांच बार चेतावनी दी, लेकिन वह नहीं रुका। वह मेरे दोस्त के लिए बहुत ही भद्दी और पर्सनल तरीके का इस्तेमाल कर रहा था। मेरा दोस्त बहुत इमोशनल हो गया और रोने लगा। मुझसे यह बर्दाश्त नहीं हुआ और गुस्से में आकर मैंने उसे एक थप्पड़ मार दिया।' अक्षय कुमार ने बताया कि थप्पड़ इतना जोरदार था कि वह आदमी तुरंत जमीन पर गिरकर बेहोश हो गया। उस पल को याद करते हुए अक्षय ने बताया कि वह बुरी तरह घबरा गए थे। उन्होंने कहा, 'वह एक बहुत बड़ी पार्टी थी। शख्स के बेहोश होने के बाद हमने उस पर पानी डाला। मैं मन ही मन दुआ कर रहा था कि बस उसे होश आ जाए। मुझे डर था कि अगर उसे कुछ हो गया, तो मेरा करियर बर्बाद हो जाएगा।' हालांकि, कुछ देर बाद उस आदमी को होश आ गया और अक्षय ने राहत की सांस ली। अक्षय कुमार का कहना है कि आज वह अपनी उस हरकत पर पछताते हैं और इसे अपनी जिंदगी की सबसे बड़ी गलती मानते हैं। उन्होंने कहा कि अगर आज ऐसी कोई सिचुएशन आती है, तो वह वहां से चुपचाप चले जाना पसंद करेंगे न कि फिजिकल होना। वर्क फ्रंट की बात करें तो अक्षय जल्द ही प्रियदर्शन की फिल्म 'भूत बंगला' में नजर आएंगे इसके अलावा उनके पास 'वेलकम टू द जंगल' और 'हैवान' जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स भी पाइपलाइन में हैं।

नए लुक में नजर आए राजकुमार राव

हाल ही में राजकुमार राव ने मुंबई में मुकेश छाबड़ा की तरफ से आयोजित 'बोलती खिड़कियां' फिल्म फेस्टिवल में शिरकत की। इवेंट के कई वीडियो और तस्वीरें वायरल हैं। तस्वीरों और वीडियो में देखा जा सकता है कि राजकुमार राव अलग तरह की हेयर स्टाइल और लुक में नजर आए। उनके इस लुक की काफी चर्चा हो रही है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि राजकुमार राव ने अपना लुक काफी सिंपल रखा है। उन्होंने काले रंगे के कपड़े पहने हैं। जींस के साथ सादी शर्ट पहनी है। सफेद जूतों के साथ उन्होंने सनग्लास भी पहना है। पहले वह क्लीन शेव में नजर आते थे। इसके उलट आज वह दाढ़ी और मुछों में नजर आए।

राजकुमार राव के बाल पहले से अलग और पतले नजर आए। बदले हुए लुक में राजकुमार राव शांत और खुश दिखे। उन्होंने कैमरे में देखकर स्माइल दी। उन्होंने कैमरामैन को ग्रीट किया। राजकुमार राव ने फराह खान के साथ पोज दिया। राजकुमार राव के इस लुक पर कई यूजर्स ने हैरानी जताई है। एक यूजर ने लिखा है 'ओह बाल कहां चले गए राजकुमार राव के।' एक और यूजर ने लिखा है 'फराह के साथ मालिक।' ख्याल रहे कि राजकुमार राव जल्द ही क्रिकेटर सौरव गांगुली पर बन रही बायोपिक में नजर आने वाले हैं। इसकी शूटिंग मार्च 2026 के आसपास शुरू होने की उम्मीद है। राजकुमार का बदला हुआ लुक इस फिल्म के लिए हो सकता है।

'दो दीवाने सहर में' की रिलीज के बीच मृणाल ठाकुर ने सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ शेयर कीं तस्वीरें

सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर अभिनीत फिल्म 'दो दीवाने सहर में' 20 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म की रिलीज से पहले मृणाल ने आज अपनी और सिद्धांत चतुर्वेदी की कई तस्वीरें शेयर कीं। लेकिन फैंस को उनके कैप्शन को पढ़कर काफी हैरानी हो रही है।

मृणाल ने शेयर की तस्वीरें

मृणाल ने आज इंस्टाग्राम पर अपनी कई शानदार और प्यारी तस्वीरें शेयर की हैं। कुछ तस्वीरों में मृणाल अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। तो कुछ वीडियो में वह सिद्धांत के साथ डांस करती बेहद खुश लग रही हैं।

मृणाल का नोट

मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी जल्द ही फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में नजर आएंगे। यह एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। फिल्म की रिलीज से पहले मृणाल ने इस शानदार तस्वीरों और वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, 'दीवानी'। मुणाल के इस नोट ने उनके फैंस को जरूर हैरान कर दिया है।

फैंस के कमेंट्स

पहली तस्वीर में मृणाल सेल्फी खिंचतीं नजर आ रही हैं और दूसरी तस्वीर लाल गुलाब की है। मृणाल ठाकुर ने अपनी इस पोस्ट में कई तस्वीरों और वीडियो के साथ कैप्शन में 'दीवानी' लिखा है। जिसे लेकर उनके फैंस काफी हैरान हैं। एक फैन ने लिखा, 'सबसे ज्यादा खूबसूरत दीवानी', दूसरे फैन ने लिखा, 'कितनी खूबसूरत तस्वीरें हैं, फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है', एक फैन ने लिखा, 'किसकी दीवानी?'

शिव भक्ति में लीन हुए सितारे

अजय देवगन से लेकर रवीना टंडन ने दी शुभकामनाएं

महाशिव रात्रि का पर्व देश भर में उल्लास-उमंग से मनाया जा रहा है। आम ही नहीं बॉलीवुड सितारे भी शिव भक्ति में लीन हैं। कई सेलेब्स प्रसिद्ध शिव मंदिर जा रहे हैं। कुछ सितारे आध्यात्मिक गुरु जग्गी वासुदेव यानी सद्गुरु के आश्रम भी महाशिव रात्रि मनाने पहुंचे हैं। इसके अलावा कई सेलेब्स फैंस को शिवरात्रि की शुभकामनाएं भी दे रहे हैं। फिल्म 'धुरंधर' फेम एक्ट्रेस सारा अर्जुन शिव की भक्ति में मगन नजर आईं। वह महाशिवरात्रि मनाने के लिए सद्गुरु आश्रम पहुंची हैं। सभी को उन्होंने महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दी हैं।अजय देवगन बहुत बड़े शिव भक्त हैं। उन्होंने भगवान शिव का टैटू भी अपने शरीर पर बनवाया है अजय ने महाशिवरात्रि पर इंस्टाग्राम पर शिव स्तुति करते हुए पोस्ट साझा की है अजय के अलावा अनिल कपूर, अक्षय कुमार और अनुपम खेर ने महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं फैंस को दी हैं।निमरत कौर ने इंस्टाग्राम पोस्ट करते हुए महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं फैंस को दी हैं। उन्होंने ओंकारेश्वर महादेव दर्शन की तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं। साथ ही लिखा है, 'ऊं नमः पार्वती पतये हर हर महादेव।' चर्चित लोकगायक स्वरूप खान भी सद्गुरु आश्रम में महाशिवरात्रि के उत्सव में शामिल होने पहुंचे हैं। वह यहां पर संगीत प्रस्तुति देंगे, शिव के भक्ति गीत गाएंगे।

फिल्मों को लेकर फैंस ने क्यों मारा ताना?

जाहिर की नाराजगी; रणबीर कपूर ने कहा- 'यह मेरा बैड लक है...'

रणबीर कपूर की दो साल से कोई फिल्म रिलीज नहीं हुई। वह साल 2023 में फिल्म 'एनिलम' में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके अभिनय, एक्शन को दर्शकों ने पसंद किया। इस साल उनकी फिल्म 'रामायण' का पहला पार्ट दिवाली पर रिलीज होगा। लेकिन फैंस रणबीर कपूर से काफी निराश हैं। यह नाराजगी ट्रोलिंग के तौर पर भी अभिनेता के सामने आई। जानिए, इस पर रणबीर कपूर ने क्या जवाब दिया।

फैन ने कसा फिल्में रिलीज ना होने पर तंज

हाल ही में अपने लाइफस्टाइल ब्रैंड के प्रमोशन के लिए रणबीर कपूर ने इंस्टाग्राम पर लाइव सेशन किया। इसमें फैंस की कई बातों के जवाब दिए। एक फैन ने लाइव सेशन में कमेंट किया, 'एक सुपरस्टार था जिसको फिल्में मिलती लेकिन वह 3 या 4 साल के लिए गायब हो जाता था।' दरअसल, रणबीर कपूर के फैंस इस बात से नाराज हैं कि उनकी फिल्में दो साल से रिलीज नहीं हो रही हैं।

रणबीर कपूर ने फैंस को क्या दिया जवाब?

फैन के सवाल के जवाब में रणबीर कपूर ने कहा, 'यार, यह मेरा ही बैड लक है। जब भी मैं कोई फिल्म शुरू करता हूं तो अक्सर लोग 4 या 6 महीने में फिल्म खत्म कर लेते हैं। लेकिन मेरी फिल्मों में बहुत टाइम लगता है। लेकिन मुझे उम्मीद है कि जब यह रिलीज होगी, तो आप वह सारा टाइम भूल जाएंगे जो इसमें लगा है। मैं आपको यकीन दिलाता हूं कि मैं पिछले 2-3 साल से सच में बहुत मेहनत कर रहा हूं। मुझे लगता है कि अच्छी चीजों में टाइम लगता है।'

'ऐश्वर्या को मेरी इजाजत की...'

बीवी को लेकर अभिषेक बच्चन ने दिया ऐसा जवाब, यूजर्स की बोलती बंद!

पूर्व मिस वर्ल्ड और एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन हिंदी सिनेमा की बेहतरीन अदाकाराओं में गिनी जाती हैं। वह पिछले कुछ सालों से कम लेकिन उम्दा काम कर रही हैं। ऐश्वर्या जब भी स्क्रीन पर आती हैं तो अपनी शानदार परफॉर्मेंस से सभी का दिल चुरा लेती हैं। ऐश्वर्या राय की बेहतरीन अदाकारी ही है कि लोग उन्हें और देखना चाहते हैं। तीन साल पहले की बात है, सोशल मीडिया पर सिर्फ ऐश्वर्या की ही चर्चा हो रही थी। इसकी वजह उनकी फिल्म पोन्नियिन सेल्वन 2 थी। काफी समय बाद एक्ट्रेस की परफॉर्मेंस की खूब तारीफ हो रही थी।

यूजर को अभिषेक बच्चन का जवाब

उस वक्त एक यूजर ने ऐश्वर्या राय के पति अभिषेक बच्चन को टैग करते हुए एक्स हैंडल पर लिखा था, ₹जैसा आपको करना चाहिए। अब उन्हें और फिल्में साइन करने दो और आप आराध्या का ख्याल रखो। यूजर के इस ट्वीट का अभिषेक बच्चन ने करारा जवाब दिया था। उन्होंने लिखा था, उन्हें साइन करने दो? सर, उन्हें किसी भी चीज के लिए मेरी इजाजत की जरूरत नहीं है, खासकर वो चीज जो उन्हें पसंद है। अभिषेक का ये ट्वीट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था।

ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन का वर्क फ्रंट

करण जौहर की ऐ दिल है मुश्किल मूवी के बाद से ही ऐश्वर्या राय फिल्मी वर्ल्ड में कम एक्टिव हैं। वह इसके बाद सिर्फ एक बॉलीवुड और दो साउथ फिल्मों में नजर आईं। आखिरी बार एक्ट्रेस को मणि रत्नम की फिल्म पोन्नियिन सेल्वन 2 में देखा गया था। इस तमिल फिल्म में उन्होंने नंदिनी की भूमिका निभाई थी जिसे काफी पसंद किया गया। वहीं, अभिषेक की बात करें तो वह शाह रुख खान स्टारर किंग में नजर आने वाले हैं।

Rajpal Yadav के जेल से रिहा होने की खबरों पर पत्नी ने तोड़ी चुप्पी

बताया- सलमान और अजय से मदद मिली या नहीं!

राजपाल यादव चेक बाउंस केस को लेकर चर्चा में हैं। कुछ दिन पहले ही 9 करोड़ रुपये कर्ज मामले में उन्हें तिहाड़ जेल में बंद होना पड़ा। बॉलीवुड के जाने-माने सितारों ने राजपाल की मदद के लिए आगे आए। इस बीच सोशल मीडिया पर राजपाल यादव का एक वीडियो वायरल हो रहा था जिसके जरिए कयास लगाया जा रहा था कि एक्टर तिहाड़ जेल से बाहर हो गए हैं। राजपाल वीडियो में कह रहे थे कि सलमान खान की मदद की वजह से वह बाहर आए हैं।

जेल से बाहर नहीं हुए राजपाल यादव

अब राजपाल यादव की पत्नी राधा यादव ने एक्टर के जेल से बाहर होने के दावों पर पहली बार चुप्पी तोड़ी है। ईटाइम्स को दिए इंटरव्यू में राजपाल यादव की पत्नी राधा ने कहा, ₹अभी तक वह तिहाड़ जेल से बाहर नहीं हुए हैं। जमानत की सुनवाई सोमवार (16 फरवरी) को होनी है।

सेलेब्स का नाम लेने से पत्नी का इनकार

जब राधा से पूछा गया कि इस वक्त राजपाल कैसे हैं तो उन्होंने कहा, जहां तक मुझे पता, वह ठीक हैं। इंडस्ट्री से मिले मदद के बारे में राधा ने कहा, ₹इस समय हमारी पूरी फैमिली एक साथ है। उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री से जो प्यार और सपोर्ट मिल रहा है, उसके लिए हम धन्य हैं।

डॉन 3 के लिए एक्टर की तलाश हुई खत्म

शाहरुख-ऋतिक नहीं, खुद फरहान बनेंगे डॉन?

फरहान अख्तर के डायरेक्शन में बनने वाली फिल्म डॉन 3 चर्चाओं में बनी हुई है। हाल खबर सामने आई थी कि रणवीर सिंह ने क्रिएटिव डिफरेंस की वजह से इस फिल्म से खुद को अलग कर लिया है। वहीं फरहान और उनकी कंपनी ने एक्टर से 40 करोड़ रुपए की कंपनसेशन मांगी है। इस बीच एक नई खबर सामने आई है। फरहान को उनकी फिल्म के लिए नया डॉन मिल गया है। वो शाहरुख खान नहीं बल्कि खुद फरहान हैं।

ऐसी रिपोर्ट्स आई थीं कि रणवीर सिंह के प्रोजेक्ट्स से बाहर होने के बाद फरहान ने शाहरुख खान को फिर डॉन बनने के लिए अप्रोच किया था। लेकिन अब डेक्कन क्रॉनिकल की मानें तो रणवीर के बाहर होने के बाद शाहरुख खान से कांटेक्ट नहीं किया। बल्कि वो खुद ये आइकॉनिक किरदार निभा सकते हैं। रिपोर्ट में लिखा गया है, 'फरहान ने रणवीर सिंह के फिल्म से बाहर होने के बाद कभी शाहरुख खान या किसी दूसरे एक्टर से कांटेक्ट नहीं किया। तीसरे पार्ट में फरहान खुद डॉन का किरदार निभा सकते हैं'। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि शायद फरहान इस फिल्म को डायरेक्ट नहीं करेंगे। उन्हें बस डॉन बने देखा जा सकता है। दरअसल हाल में खबर आई थी कि रणवीर को डॉन 3 की स्क्रिप्ट में बदलाव करवाना था। एक्टर के मुताबिक वो इस स्क्रिप्ट से खुश नहीं थे और मेकर्स को बदलाव करने के लिए बोल रहे थे। लेकिन उनकी बात को गंभीरता से नहीं लिया गया। रणबीर के मुताबिक डॉन 3 में उन्हें कास्ट करने के बाद भी ऋतिक रोशन से रोल के लिए बात की गई थी। लेकिन फिर धुरंधर के हिट होने के बाद फरहान और उनकी टीम वापस से रणवीर के पास पहुंच गए। एक्टर के इन आरोपों के बाद फरहान अख्तर की कंपनी ने 40 करोड़ के कंपनसेशन की मांग की थी। लेकिन रणवीर ने कंपनसेशन देने से मना कर दिया है।

शादी की सालगिरह

गुरमीत चौधरी ने देबिना के साथ शेयर की रोमांटिक तस्वीरें

गुरमीत चौधरी और देबिना बनर्जी की आज शादी की सालगिरह है। इस खास दिन पर गुरमीत ने सोशल मीडिया पर कुछ खूबसूरत फोटो शेयर किए। फोटो में दोनों कई रोमांटिक पोज में नजर आए। देबिना डेनिम शॉर्ट ड्रेस में ग्लैमरस दिखीं तो वहीं गुरमीत भी स्टाइलिश नजर आए।

गुरमीत चौधरी ने आज इंस्टाग्राम हैंडल पर पत्नी देबिना के साथ कई रोमांटिक तस्वीरें शेयर की हैं। गुरमीत ने ये तस्वीरें खासतौर पर अपनी शादी की सालगिरह के अवसर पर शेयर की हैं। एक तस्वीर में दोनों एक-दूसरे के साथ केक काटते नजर आए। तो वहीं कई तस्वीरों में केक के साथ पोज देते नजर आए। गुरमीत ने देबिना के लिए बहुत प्यारा मैसेज लिखा। उन्होंने लिखा देबिना आज भी उनकी ताकत, शक्ति और सहारा बताया। उन्होंने अपने रिश्ते को 'डिवाइन ब्लेसिंग' (ईश्वरीय आशीर्वाद) बताया। साथ ही महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं भी दीं। फैंस ने भी इस पोस्ट पर ढेर सारे प्यार भरे कमेंट किए। एक ने लिखा 'एक-दूजे के लिए', दूसरे ने लिखा, 'हैप्पी एनिवर्सरी मेरे फेवरेट कपल को', एक और फैन ने लिखा, 'हैप्पी एनिवर्सरी क्यूटी' गुरमीत और देबिना की मुलाकात टीवी शो 'रामायण' के सेट पर हुई थी। टीवी सीरियल 'रामायण' में गुरमीत ने राम और देबिना ने सीता का रोल निभाया था। ऑनस्क्रीन का प्यार धीरे-धीरे असली जिंदगी में बदल गया। कुछ साल रिलेशनशिप में रहने के बाद दोनों ने शादी कर ली। तब से यह जोड़ी फैंस की सबसे पसंदीदा बनी हुई है। हाल ही में दोनों 'लाफ्टर शेफ 3' में साथ दिखे थे, जहां उनकी बॉन्डिंग फिर से सबको पसंद आई। गुरमीत ने टीवी के अलावा कई फिल्मों में भी काम किया है, जैसे 'पलटन', 'वजह तुम हो', 'हेट स्टोरी 4' और 'खामोशियां'।

फागुन के साथ बदला मौसम का मिजाज, दिन में चढ़ा पारा, रात की ठंड भी अब होगी विदा

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

फागुन माह के मध्य में प्रवेश करते ही मौसम ने स्पष्ट रूप से करवट ले ली है। बीते एक सप्ताह के भीतर तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव दर्ज किया गया है, जिससे दिन और रात के मौसम में साफ अंतर दिखाई देने लगा है। दोपहर के समय तेज धूप और बढ़ते तापमान ने गर्मी का अहसास कराना शुरू कर दिया है, जबकि देर रात और तड़के सुबह अब भी हल्की ठंडक बनी हुई है। मौसम के इस बदलते स्वरूप ने लोगों की दिनचर्या और पहनावे दोनों को प्रभावित किया है। शहर की सड़कों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर अब हल्के कपड़ों में लोगों की आवाजाही बढ़ गई है। सप्ताह भर पहले तक जहां दिन में भी स्वेटर और जैकेट नजर आते थे, वहीं अब दोपहर में धूप से बचने के लिए लोग छाता और चश्मे का सहारा लेते दिखाई दे रहे हैं। हालांकि सुबह-शाम की ठंडी हवा अब भी लोगों को हल्के गर्म कपड़े साथ रखने को मजबूर कर रही है। मौसम वेधशाला आनंद नगर से प्राप्त ताजा आंकड़ों के अनुसार आज सुबह शहर का न्यूनतम तापमान 12.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री कम है। वहीं मंगलवार शाम अधिकतम तापमान 29.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह तापमान बीते दिनों की तुलना में अधिक है और लगातार बढ़ोतरी का संकेत दे रहा है। पिछले वर्ष 2025 में इसी अवधि के दौरान अधिकतम तापमान 31.0 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 13.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। ऐतिहासिक आंकड़ों पर नजर डालें तो शहर में फरवरी माह में मौसम ने कई बार चरम स्थितियां भी दर्ज की हैं। 2 फरवरी 1905 को न्यूनतम तापमान 0 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया था, जो अब तक का रिकॉर्ड है। वहीं 27 फरवरी 1966 को अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। वर्षा के लिहाज से 27 फरवरी 1987 को 24 घंटे में 131.7 मिमी वर्षा हुई थी, जबकि वर्ष 1942 में फरवरी माह में कुल 141.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर पड़ने और आसमान साफ रहने के कारण तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी हो रही है। आने वाले दिनों में रात के तापमान में भी 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक उछाल आ सकता है। यदि यही स्थिति बनी रही तो मार्च के पहले सप्ताह से गर्मी का असर और अधिक स्पष्ट हो जाएगा। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बदलते मौसम में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। दिन और रात के तापमान में अंतर के कारण सर्दी-जुकाम, एलर्जी और वायरल संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। चिकित्सकों का कहना है कि सुबह-शाम हल्के गर्म कपड़े पहनें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं और धूप में अधिक देर तक रहने से बचें। फिलहाल मौसम साफ बना हुआ है और निकट भविष्य में वर्षा की संभावना नहीं जताई गई है। तापमान में हो रही क्रमिक बढ़ोतरी यह संकेत दे रही है कि अब सर्दी विदा लेने की तैयारी में है और आने वाले दिनों में गर्मी अपना प्रभाव तेज करेगी।

होली के बाद मदन महल से दौड़ेंगी तीन इंटरसिटी ट्रेनें, मुख्य स्टेशन पर कम होगा यात्री दबाव

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

शहरवासियों को बेहतर रेल सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा सकता है। होली के बाद मदन महल रेलवे स्टेशन से एक साथ तीन इंटरसिटी ट्रेनों के संचालन की तैयारी की जा रही है। इनमें रीवा इंटरसिटी, सिंगरौली इंटरसिटी और अंबिकापुर इंटरसिटी शामिल हैं, जो वर्तमान में जबलपुर रेलवे स्टेशन से संचालित हो रही हैं।जानकारी के अनुसार इन ट्रेनों का संचालन पूर्व में मदन महल स्टेशन से शुरू किया गया था, लेकिन वर्ष 2020 में कोविड-19 के बाद इन्हें बंद कर दिया गया। अब रेलवे प्रशासन द्वारा पुनः इन ट्रेनों को मदन महल से प्रारंभ करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है।

मुख्य स्टेशन पर कम होगा दबाव

मदन महल स्टेशन से इंटरसिटी ट्रेनों के संचालन का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि मुख्य रेलवे स्टेशन पर बढ़ता यात्री दबाव कम होगा। इससे यात्रियों को प्लेटफॉर्म और टिकट काउंटर पर होने वाली भीड़ से राहत मिलेगी। साथ ही शहर के बीच स्थित होने के कारण यात्रियों का समय और परिवहन खर्च भी बचेगा।

रीवा शटल भी हो सकती है शिफ्ट

सूत्रों के मुताबिक रीवा शटल, जो अभी मुख्य स्टेशन से चल रही है, उसे भी मदन महल से संचालित करने पर विचार किया जा रहा है। प्रतिदिन लगभग 600 यात्री जबलपुर से सिहोरा-कटनी तक अप-डाउन करते हैं। यदि शटल ट्रेन मदन महल से शुरू होती है तो डेली यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी और आवागमन अधिक सुगम हो जाएगा। रेलवे अधिकारियों का मानना है कि इस निर्णय से शहर में रेल यातायात का संतुलन बेहतर होगा और यात्रियों को अधिक सुविधाजनक यात्रा अनुभव मिल सकेगा।

जनरल कोच में ब्लेड से हमला, चलती ट्रेन में दहशत; अवैध वेंडरों पर उठे सवाल

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

ट्रेनों के जनरल कोच में लगातार हो रही चाकूबाजी और ब्लेड से हमले की घटनाओं ने यात्रियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ताजा मामला ट्रेन क्रमांक 12322 डाउन मुंबईझ्रहावड़ा एक्सप्रेस का है, जिसमें सोमवार को इटारसी से पिपरिया के बीच एक किन्नर द्वारा यात्री पर ब्लेड से हमला किए जाने की घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार हमले के बाद आरोपी पिपरिया स्टेशन पहुंचते ही ट्रेन से उतरकर फरार हो गया। घायल यात्री को ट्रेन जबलपुर स्टेशन पहुंचने पर चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई गई। उसकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। गौरतलब है कि इससे एक दिन पहले भी जनरल कोच में अवैध वेंडर द्वारा चाकू से हमला किए जाने की घटना हुई थी। लगातार दो दिनों में हुई इन घटनाओं के बाद यात्रियों में भय और असुरक्षा का माहौल है। यात्रियों का कहना है कि जनरल कोच में अवैध वेंडरों और असामाजिक तत्वों की आवाजाही पर रोक नहीं लग पाने के कारण ऐसे हादसे बढ़ रहे हैं। चलती ट्रेन में कब, किस यात्री के साथ कौन सी घटना हो जाए, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल हो गया है। सुरक्षा व्यवस्था की कमी के बीच यात्रियों को दहशत के साए में सफर करना पड़ रहा है। ट्रेनों में अवैध वेंडरों और संदिग्ध लोगों के खिलाफ विशेष जांच अभियान चलाने की बात कही जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

करौंदा-कुशनेर मार्ग का चौड़ीकरण बना खतरा, गड्ढों और बिना संकेतकों के निर्माण कार्य से रोज हो रहीं दुर्घटनाएं

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

राहगीरों की सुविधा के उद्देश्य से शुरू किया गया करौंदाझ्रकुशनेर मार्ग का चौड़ीकरण कार्य अब लोगों के लिए परेशानी और खतरे का कारण बनता जा रहा है। निर्माण कार्य के दौरान बरती जा रही लापरवाही के चलते आए दिन वाहन चालक दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार करौंदा से पनागर तथा देवरी से कुशनेर तक सड़क निर्माण और चौड़ीकरण का कार्य जारी है। लेकिन निर्माण स्थल पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। मार्ग पर जगह-जगह गिट्टी बिछाई जा रही है, वहीं संकेतक बोर्ड और चेतावनी चिन्ह नहीं लगाए गए हैं। परिणामस्वरूप वाहन चालक अचानक फिसलन और असमतल सतह के कारण संतुलन खो बैठते हैं। स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब निर्माण से पहले मार्ग पर एक बड़ा गड्ढा खोदकर उसे खुला छोड़ दिया गया है। इस गड्ढे के आसपास आए दिन छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं हो रही हैं। हैरानी की बात यह है कि सुरक्षा की दृष्टि से न तो बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई है और न ही पर्याप्त चेतावनी संकेत लगाए गए हैं। कई दिनों से गड्ढा खुला पड़ा है, जिससे स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है। राहगीरों का कहना है कि ठेकेदार की लापरवाही का खामियाजा आम नागरिक भुगत रहे हैं। रात के समय स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है। स्ट्रीट लाइट बंद रहने, संकेतकों के अभाव और सड़क पर गिट्टी-मुरम के ढेर पड़े रहने से दुर्घटनाओं का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। अंधेरे में वाहन चालकों को गड्ढे और निर्माण सामग्री दिखाई नहीं देती, जिससे हादसों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि संबंधित अधिकारियों की अनदेखी के कारण ठेकेदार मनमानी कर रहा है। सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जा रहा, जिससे गंभीर दुर्घटनाओं को न्योता दिया जा रहा है। वाहन चालकों का कहना है कि यदि इसी तरह लापरवाही जारी रही तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है।

जबलपुर में युवती हत्याकांड का खुलासा, शादी के दबाव से परेशान प्रेमी ने की थी हत्या

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

जबलपुर के नुनसर पुलिस चौकी क्षेत्र में चार दिन पहले खेत में मिली युवती की लाश के मामले में पुलिस ने अहम सुराग जुटाते हुए हत्याकांड की गुत्थी सुलझा ली है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवती की हत्या उसके ही प्रेमी ने की थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार मृतका अपने प्रेमी पर शादी के लिए लगातार दबाव बना रही थी। इसी बात से परेशान होकर आरोपी ने उसे रास्ते से हटाने की योजना बनाई। बताया जा रहा है कि हत्या करने के बाद आरोपी ने शव को नुनसर के लमती क्षेत्र स्थित एक खेत की मेड़ पर फेंक दिया था, ताकि मामला दुर्घटना या अज्ञात अपराध की तरह लगे। जानकारी के मुताबिक मृतका और आरोपी दोनों ही तिलवारा थाना क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य, कॉल डिटेल और स्थानीय पूछताछ के आधार पर मामले की कड़ियां जोड़ीं, जिसके बाद संदेह की सुई प्रेमी पर जाकर टिक गई। गौरतलब है कि नुनसर पुलिस चौकी अंतर्गत सुनसान इलाके में खेत की मेड़ पर युवती का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शुरूआती जांच में हत्या की आशंका जताते हुए अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। लगातार चार दिन तक चली जांच, पूछताछ और साक्ष्यों के विश्लेषण के बाद पुलिस आरोपी तक पहुंच गई है। हालांकि आधिकारिक रूप से पूरे मामले का खुलासा अभी नहीं किया गया है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही पूरे घटनाक्रम का विस्तार से खुलासा किया जाएगा।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में यातायात सुधार और सड़क दुर्घटनाएं रोकने के लिए कई अहम फैसले

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

शहर में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से जिला सड़क सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में दुर्घटना संभावित स्थानों को चिन्हित कर वहां त्वरित सुधारात्मक कदम उठाने का निर्णय लिया गया। चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर संकेतक बोर्ड, ब्लिंकर्स, रिफ्लेक्टर्स तथा प्री-फेब्रिकेटेड डिवाइडर लगाए जाएंगे। साथ ही डिवाइडरों की रंगाई-पुताई कर उन्हें स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर बनाने और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जहां आवश्यक होगा वहां सर्विस रोड का निर्माण भी कराया जाएगा, ताकि मुख्य मार्गों पर यातायात का दबाव कम हो सके। बैठक में बायपास रोड पर अंधमूक चौराहे सहित शहर के सभी प्रवेश मार्गों की सर्विस रोड पर हुए अतिक्रमणों को हटाने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा भारी वाहनों की अवैध पार्किंग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने तथा सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए, जिससे जाम और दुर्घटनाओं की स्थिति को रोका जा सके। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय की मौजूदगी में आयोजित बैठक में शहर के व्यस्ततम मार्गों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में ई-रिक्शा और पिकअप वाहनों के संचालन पर निश्चित समय के लिए रोक लगाने का फैसला किया गया। ई-रिक्शा संचालन के लिए निर्धारित रूट तय किए जाएंगे, ताकि अनियंत्रित आवाजाही पर अंकुश लगाया जा सके। इसके साथ ही मंडला और डिंडौरी जाने वाली यात्री बसों का शहर के भीतर संचालन बंद करने तथा इन मार्गों के लिए शहर से बाहर उपयुक्त स्थान पर बस स्टैंड चिन्हित करने का निर्णय लिया गया। अधिकारियों का मानना है कि इससे शहर के अंदर यातायात का दबाव कम होगा और दुर्घटनाओं की आशंका घटेगी। बैठक में शहर के भीतर यातायात में बाधक बन रहे यूनिपोल को चिन्हित कर हटाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना तिवारी, स्मार्ट सिटी के सीईओ अनुराग सिंह सहित लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, मप्र सड़क विकास निगम एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशासन का मानना है कि इन निर्णयों के प्रभावी क्रियान्वयन से शहर में सड़क सुरक्षा मानकों में सुधार होगा और दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकेगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक डॉ. राजेश जायसवाल के लिए, मां रेवा पब्लिकेशन जबलपुर 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे एम.आर.-4 रोड उखरी जबलपुर (म.प्र.) से मुद्रित और कल्चुरी भवन हाउस नं. 3367/1, विवेक नगर, आधारताल, जबलपुर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक : डॉ.राजेश जायसवाल* सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के जिम्मेदार। आरएनआई नं. MPHIN/2014/60079 मो. 9425154229, फोन-0761-4085321 e-mail: tripuritimes@gmail.com